TV उत्तरशक्ति NEWS
मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 144
रविवार, 08 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हमारी संस्कृति में सेवा सबसे बड़ा धर्म, अस्था और उपासना से भी ऊंचा स्थान: पीएम मोदी

अहमदाबाद, 07 दिसम्बर। अहमदाबाद में आयोजित कार्यकर्ता सुवर्ण महोत्सव को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं भगवान स्वामी नारायण को नमन करता हूं- आज 103वीं जयंती है। उन्होंने आगे कहा कि जब यूक्रेन में युद्ध बढ़ने लगा तो भारत सरकार ने तुरंत वहां फंसे भारतीयों को निकालने का फैसला किया। इसके बाद बड़ी संख्या में भारतीय पोलैंड पहुंचने लगे। लेकिन चुनौती थी कि उस युद्ध के माहौल में पोलैंड पहुंचे भारतीयों को कैसे अधिक से अधिक मदद पहुंचाई जाए।

मोदी ने आगे कहा कि उस समय मेरी इअढर के एक संत से बात हुई और मुझे लगता है रात के 12 या 1 बजे होंगे। मैंने उनसे अनुरोध किया कि बड़ी संख्या में पोलैंड पहुंच रहे भारतीयों की मदद के लिए मुझे आपके समर्थन की आवश्यकता है और मैंने देखा कि कैसे आपका संगठन रातोंरात पूरे यूरोप से बीएपीएस कार्यकताओं को एक साथ लाया। इअढर की ये ताकत, वैश्विक स्तर पर मानवता के हित में आपका योगदान बहुत सराहनीय है और इसलिए आज कार्यकर्ता सुवर्ण महोत्सव पर मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दिनों पूरी दुनिया में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की चर्चा हो रही है। इस दिशा में आपके प्रयास भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। आप भारत के विकास को गति देने वाले कई काम कर सकते हैं, जैसे फिट इंडिया। उन्होंने कहा कि युवा विचारों को नए अवसर देने के लिए जनवरी में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें हमारे युवा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए अपने विचार देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। सेवा परमो धर्मः - ये सिर्फ शब्द नहीं, ये हमारे जीवन मूल्य हैं। सेवा को श्रद्धा, आस्था और उपासना से भी ऊंचा स्थान दिया गया है।

मोदी ने कहा कि अभी कुछ महीने पहले ही अबू धाबी में भगवान स्वामीनारायण मंदिर की स्थापना की गई है। मुझे उस कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य मिला। उस घटना और उस मंदिर की पूरी दुनिया में इतनी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत को दुनिया ने देखा है। दुनिया ने भारत की सांस्कृतिक विविधता देखी है। ऐसे प्रयास दुनिया को भारत के सांस्कृतिक गौरव और मानवीय उदारता से परिचित कराते हैं। इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूं।

विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए राष्ट्रपति के तौर पर कई बार ओडिशा का दौरा किया : राष्ट्रपति

बांगिरीपोसी (ओडिशा), 07 दिसम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उन्होंने विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रोटोकॉल तोड़कर ओडिशा और अपने पैतृक जिले मयूरभंज जिले का कई बार दौरा किया है। मुर्मू राज्य की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन यहां तीन नयी रेलवे लाइनों के अलावा एक आदिवासी अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डे और रायरंगपुर में उप-मंडलीय अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रही थीं।

मुर्मू ने कहा, आमतौर पर राष्ट्रपति के तौर पर अपने राज्य और जिले का दौरा करने का प्रावधान नहीं है। हालांकि, मैंने प्रोटोकॉल तोड़ दिया और इस क्षेत्र के लोगों की कठिनाइयों के कारण बार-बार यहां का दौरा किया। इस क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मैं अपनी ओर से जो भी संभव है, करती हूं। मुर्मू ने कहा कि जब वह झारखंड की राज्यपाल थीं, तब उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में रेलवे के विकास के लिए दबाव बनाने के वास्ते कई बार मौजूदा रेल मंत्री से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति ने कहा, जब मैं वर्ष 2000 में ओडिशा की परिवहन मंत्री थी तो मैंने तत्कालीन रेल मंत्री से राज्य में इस क्षेत्र के विकास के लिए अनुरोध किया था। हालांकि, इस पर काम आगे नहीं बढ़ सका। अब, मैं प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को किए जा रहे कार्यों के लिए धन्यवाद देती हूं। मुर्मू ने कहा कि लोगों का प्यार और स्नेह उन्हें यहां तक खींच लाया है। राष्ट्रपति ने कहा, मैं यहां के लोगों, इस स्थान और इसकी आवश्यकताओं को जानती हूं। मैं अपने कार्यकाल के दौरान, जहां तक संभव होगा, इस क्षेत्र के लिए काम करती रहूंगी। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि वह किसी से कोई अनुचित अनुरोध नहीं कर रही हैं। मुर्मू ने कहा, मयूरभंज की कुछ जरूरतें हैं। यह राज्य का सबसे बड़ा जिला है। उसने (सरकार ने) इस जिले की जरूरत को समझा है। इसलिए मैं उसके सहयोग के लिए उसका आभार व्यक्त करती हूं।

महाराष्ट्र में महायुति को मिले विशाल जनादेश को लेकर जनता में कोई उत्साह नहीं दिख रहा : शरद पवार

कोल्हापुर, 07 दिसम्बर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के 23 नवंबर को आए नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन को मिली भारी जीत के बाद राज्य की जनता में कोई उत्साह या खुशी नहीं दिखाई दे रही। पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे इस झटके के बाद जनता के बीच जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए)यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि सरकार अपने सभी चुनाव पूर्व वादों पर अमल करे, जिनमें लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं को हर माह वित्तीय सहायता 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करना शामिल है। राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले पवार ने कहा, महायुति को मिले भारी जनादेश के बाद लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।

पवार नीत पार्टी 288 सदस्यीय विधानसभा में केवल 10 सीट पर विजयी हुई है। शरद पवार ने सपा नेता अबू आजमी के एमवीए छोड़ने की घोषणा को लेकर सवाल पर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) का केंद्रीय नेतृत्व विपक्षी एकता पर अडिग है। सपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष आजमी ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) के कारण एमवीए से अलग हो रही है क्योंकि ठाकरे के करीबी ने दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद को ढहाने वालों की प्रशंसा की है। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के सवाल पर पवार ने कहा कि एमवीए के घटक दल इस बात पर जोर नहीं दे सकते कि उन्हें यह पद मिले।

गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही मोदी सरकार, राहुल गांधी का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 07 दिसम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की टैक्स नीति को लेकर एक बार फिर से निशाना साधा है। इसको लेकर उन्होंने एक्स पर बड़ा पोस्ट लिखा है। राहुल ने दावा किया कि सरकार अब एक और नया टैक्स स्लैब लाने जा रही है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है।

राहुल गांधी ने आगे लिखा कि सुनने में आ रहा है कि GST से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है - आपकी जरूरत की चीजों पर GST बढ़ाने की योजना है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए - अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 से ऊपर के कपड़ों पर GST 12% से बढ़ाकर 18% करने जा रही है।

कांग्रेस नेता वे कहा कि यह घोर अन्याय है - अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज. माफ करने के लिए गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है। हमारी लड़ाई इसी अन्याय के खिलाफ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के खिलाफ हम मजबूती से आवाज उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।

हमारा राष्ट्र और धर्म सुरक्षित है तभी हम भी सुरक्षित रहेंगे: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 07 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसम्बर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक बार फिर आक्रामक लहजा अपनाते हुए कहा जब तक हमारे धर्म सुरक्षित है, तभी तक हम भी सुरक्षित हैं। योगी यहां स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत-समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल होने के लिये आये थे। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'हर काम देश के नाम होना चाहिए, हमारा कोई व्यक्तिगत अस्तित्व नहीं है। यदि हमारा राष्ट्र सुरक्षित है, तो हमारा धर्म भी सुरक्षित रहेगा, यदि हमारा धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। योगी आदित्यनाथ ने शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था। गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ सदगुरु सदाफल महाराज ने आजादी के आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। योगी ने कहा, 'अकेले चुपचाप नहीं बैठ जाना है। एक कार्य पूरा हुआ तो अगले कार्य की शुरूआत कर देनी है, लेकिन हर कार्य देश के नाम, सनातन धर्म के नाम पर होना चाहिए। एक सच्चा संत देश और समाज की परिस्थितियों से हाथ पर हाथ रखकर चुपचाप बैठा नहीं रह सकता है।

इसी के साथ 13 जनवरी से प्रयागराज में प्रारम्भ होने जा रहे महाकुंभ का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि एक कुंभ यहां पर है, तो दूसरा महाकुंभ प्रयागराज में 13 जनवरी से प्रारंभ होने वाला है। प्रयागराज महाकुंभ को सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिला दी है। यही नहीं यह वर्ष हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी, 2024 को 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करते हुए अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला फिर से विराजमान हुए हैं। पीएम मोदी के कार्यकाल में वाराणसी में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप देख रहे होंगे कि आज काशी एक नई काशी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 10 वर्षों में काशी को चमका दिया है। आज काशी में नमो घाट है। देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा घाट है, जहां हेलीपैड भी है। काशी में देव मंदिरों का कायाकल्प हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य- चाहे सड़क, रेल और वायु सेवा की कनेक्टिविटी हो, जो 2014 से पहले था उससे 100 गुना बेहतर अब है। अब काशी से हल्दिया के बीच जलमार्ग का उपयोग करते हुए भी अपनी यात्रा को आगे बढ़ा सकते हैं।

भ्रष्टाचार के अंधेरे कुएं से निकालने की चुनौती

-ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस-9 दिसम्बर, 2024

अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस प्रतिवर्ष 9 दिसम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार-निरोधी समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस मनाया जाता है। पूरे विश्व में एक समृद्ध, ईमानदार, पारदर्शी, नैतिक एवं मूल्याधारित समाज को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना इस दिन का मुख्य उद्देश्य है। तेजी से पांव पसार रहा भ्रष्टाचार किसी एक समाज, प्रांत या देश की समस्या नहीं है। इसने हर व्यक्ति एवं व्यवस्था को दूषित किया है, इसे रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं प्रक्रिया आवश्यक है। सत्ता एवं स्वार्थ ने भ्रष्टाचारमुक्ति को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। इसी कायरता का एक उदाहरण शुक्रवार को संसद में नोटों का बण्डल मिलना है, सांसदों के खरीद-फरोश्त के किस्से आम है, वर्ष 2008 में अविश्वास प्रस्ताव पर मनमोहन सिंह की सरकार को बचाने के लिये सांसदों को खरीदने की कोशिश का मामला भी काफी चर्चित रहा है। ऐसी ही घटनाओं की वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा, भ्रष्ट एवं अनैतिक लगता है। आंखें उस चेहरे पर सच्चाई की साक्षी ढूंढ़ती हैं। भ्रष्टाचार एक गंभीर अपराध है जो सभी समाजों में नैतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है।

भ्रष्टाचार दुनिया के सभी हिस्सों में व्याप्त है, यह राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक हो और साथ ही लोकतांत्रिक संस्थानों को भी कमजोर करता है, सरकारी अस्थिरता में योगदान देता है और आर्थिक विकास को भी धीमा करता है, तभी इस विकराल होती समस्या पर नियंत्रण पाने के लिये संयुक्त राष्ट्र ने भ्रष्टाचार निरोध दिवस को आयोजित करने का निश्चय किया। इस वर्ष इस दिवस की थीम है ह्यह्यभ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के साथ एकजुट होनाः कल की ईमानदारी को आकार देना।ह्लह्ल यह थीम भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों में युवाओं को शामिल करने पर केंद्रित है, जो युवाओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता को बढ़ावा देकर हम सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

भ्रष्टाचार निरोध दिवस मनाते हुए दुनिया के कतिपय राष्ट्रों ने ईमानदार शासन व्यवस्था देने का उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिनमें भारत में नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति को जन्म दिया है, न खाऊंगा का प्रधानमंत्री का दावा अपनी जगह कायम है लेकिन न खाने दूंगा वाली हुंकार अभी अपना असर नहीं दिखा पा रही है। सरकार को भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिये सख्ती के साथ-साथ व्यावहारिक कदम उठाने की अपेक्षा है। आजादी का अमृत महोत्सव मना चुके देश में भ्रष्ट कार्यसंस्कृति ने देश के विकास को अवरूद्ध किया। आजादी के बाद से अब तक देश में हुये भ्रष्टाचार और घोटालों का हिसाब जोड़ा जाए तो देश में विकास की गंगा बहायी जा सकती थी। दूषित राजनीतिक व्यवस्था, कमजोर विपक्ष और क्षेत्रीय दलों की बढ़ती ताकत ने पूरी व्यवस्था को भ्रष्टाचार के अंधेरे कुएं में धकेलने का काम किया। देखना यह है कि क्या वास्तव में हमारा देश भ्रष्टाचारमुक्त होगा? यह प्रश्न आज देश के हर नागरिक के दिमाग में बार-बार उठ रहा है कि किस प्रकार देश की रगों में बह रहे भ्रष्टाचार के दूषित रक्त से मुक्ति मिलेगी।

वर्तमान सरकार की नीति और नियत दोनों देश को भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की है, लेकिन उसका असर दिखना चाहिए। विभिन्न राजनीतिक दल जनता के सेवक बनने की बजाय स्वामी बन बैठे। मोदी ने इस सड़ी-गली और भ्रष्ट व्यवस्था को बदलने का बीड़ा उठाया और उसके परिणाम भी देखने को मिले। प्रधानमंत्री का स्वयं को प्रधानसेवक कहना विपक्ष के लिये जुमलेबाजी का विषय हो सकता है, लेकिन लोकतंत्र में लोक विश्वास, लोक सम्मान जब ऊर्जा से भर जाए तो लोकतंत्र की सच्ची संकल्पना आकार लेने लगती है। मोदी ने लोकतंत्र में लोक को स्वामी होने का एहसास बखूबी कराया है। लेकिन प्रश्न यह है कि यही लोक अब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ जागृत क्यों नहीं हो रहा है? जन-जागृति के बिना भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं किया जा सकता। भ्रष्टाचार की चरम पराकाष्ठा के बीच मोदी रूपी एक छोटी-सी किरण जगी है, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि ह्यअभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।ह्ल भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े लोग एक दूसरे के कान में कह रहे हैं, इस देश ने भ्रष्टाचार की अनेक आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर भारत की ईमानदारी, नैतिकता एवं सदाचार के दीपक को बुझने मत देना।

भ्रष्टाचार और काले घन के खिलाफ जो माहौल बना निश्चित ही एक शुभ संकेत है देश को शुद्ध सांसें देने का। क्योंकि हम गिरते गिरते इतने गिर गये कि भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार बन गया। राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, नैतिकता, पारदर्शिता की कहीं कोई आवाज उठती भी थी तो ऐसा लगने लगता है कि यह विजातीय तत्व है जो हमारे जीवन में घुस रहा है। जिस नैतिकता, प्रामाणिकता और सत्य आचरण पर हमारी संस्कृति जीती रही, सामाजिक व्यवस्था बनी रही, जीवन व्यवहार चलता रहा, वे आज लुप्त हो गये हैं। उस वस्त्र को जो राष्ट्रीय जीवन को ढके हुए था आज हमने उसे तार-तारकर खूंटी पर टांग दिया है। मानों वह हमारे पुरखों की चीज थी, जो अब इतिहास की चीज हो गई। लेकिन देर आये दुरस्त आये कि भांति अब कुछ संभावनाएं मोदी ने जगाई है, इस जागृति से कुछ सबक भी मिले हैं और कुछ सबब भी है। इसका पहला सबब तो यही है कि भ्रष्टाचार की लडाई चोले से नहीं, आत्मा से ही लड़ी जा सकती है। दूसरा सबब यह है कि धर्म और राजनीति को एक करने की कोशिश इस मुहिम को भोंथरा कर सकती है। तीसरा सबब है कि कोई गांधी या कोई गांधी बन कर ही इस लड़ाई को वास्तविक मंजिल दे सकता है। एक सबब यह भी है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों से भ्रष्टाचारमुक्ति की आशा करना, अंधेरे में सूई तलाशना है।

विभिन्न देशों में भ्रष्टाचार की सीमा को मापने का एक तरीका भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक है, जिसे ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है, जो नीति निमार्ताओं और संगठनों को भ्रष्टाचार रूपी समस्याओं को पहचानने और भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए बेहतर रणनीति बनाने में मदद करता है। ग्लोबल करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में भारत की स्थिति चिंताजनक रही है। 2023 में भारत 40 अंकों के साथ 180 देशों में 93वें स्थान पर था। यह स्कोर दशार्ता है कि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए भारत को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। भारत ने भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाने और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए कई भ्रष्टाचार विरोधी कानून और नीतियां लागू की हैं। इन ढांचों का उद्देश्य जवाबदेही को मजबूत करना और नैतिक शासन सुनिश्चित करना है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 यह भ्रष्टाचार को परिभाषित करता है और लोक सेवकों द्वारा किए गए अपराधों के लिए दंड निर्धारित करता है। इसे 2018 में संशोधित किया गया और रिश्वत देने वालों के लिए दंड को शामिल करने के लिए पीसीए के दायरे का विस्तार किया गया। भारतीय न्याय संहिता, 2023 इस अधिनियम ने भारतीय दंड संहिता, 1860 का स्थान लिया। इसने भ्रष्टाचार से संबंधित विभिन्न प्रावधानों का आधुनिकीकरण और सुधार किया तथा रिश्वतखोरी के लिए दंड का प्रावधान किया।

आदर्श सदैव ऊपर से आते हैं। लेकिन आजादी के बाद की सरकारों एवं राजनीतिक दलों के शीर्ष पर इसका अभाव रहा है। वहां मूल्य बने ही नहीं हैं, फलस्वरूप नीचे तक, साधारण से साधारण संस्थाएं, संगठनों और मंचों तक स्वार्थ सिद्धि और नफा-नुकसान छाया हुआ रहा है। सोच का मापदण्ड मूल्यों से हटकर निजी हितों पर ठहरता गया है। यहां तक धर्म का क्षेत्र एवं तथाकथित चर्चित बाबाओं की आर्थिक समृद्धियों ने इस बात को पुष्ट किया है। क्योंकि वे खुद संन्यासी होने के बावजूद फकीर नहीं रह पाए। वह अरबपति बन गये, कारोबारी हो गये, कोरपोरेटर हो गये। इन बाबाओं के साथ जो विडम्बना है वह यह है कि वे यह सब करते हुए भी गांधी बनना चाहते हैं, गांधी दिखना चाहते हैं। पैसा और ताकत ही अगर देश में ज्वार पैदा कर पाते, तो आज तक कई अरबपति देश की सत्ता पर काबिज हो गये होते, कोई चाय बेचने पर प्रधानमंत्री नहीं बन पाता। यही लोकतंत्र की विशेषता एवं प्राण ऊर्जा है, जिस पर देश टिका है।

पाकिस्तान के लिए खुद का पैदा किया आतंकवाद ही उसका जानलेवा बन गया है।

अशोक भाटिया

पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा और उसके आसपास के इलाकों में बीते नवंबर में पाकिस्तान के 138 सैनिकों की हत्या की घटनाए हुई है। पाकिस्तानी सेना पर 207 बार हमला हुआ है। इससे सैनिकों में खासी नाराजगी है। बताया जाता है कि ये हमले आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान कर रहा है। इसीके साथ पाकिस्तान सेना की भारी किरकिरी हो रही है। साथ ही सफाई दे रही है कि उसने आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया हुआ है और पिछले एक महीने के दौरान उसने 50 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है। जाहिर है पाकिस्?तान के लिए खुद का पैदा किया आतंकवाद ही उसका जानलेवा बन गया है।

जब सेना के जवान अपने ही देश में असुरक्षित हों और रोजाना मारे जा रहे हों तो अजीब सा लगता है ना! लेकिन पाकिस्तान की सेना इन दिनों ऐसे ही हालातों से जूझ रही है। पाकिस्तान की सेना में इस समय सैनिकों की मौतों से जबरदस्त हड़कंप मचा हुआ है। यहां नवंबर महीने में प्रतिदिन 4 पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या हुई है। बड़ी संख्या में सैनिक घायल भी हुए हैं। उनके साथ गोला-बारूद, हथियार लूटने की घटनाएं भी हुई हैं। पाकिस्तान सरकार की हालत इस मामले में इतनी खराब है कि ना तो वह बोल पा रही है, ना चुप रह पा रही है। क्योंकि वजह उसकी खुद की पैदा की हुई है। पाकिस्तान सरकार और सेना दोनों ने ही इस मामले को दबाने की भरसक कोशिश की लेकिन नाकाम रही। इस मामले को दबाने के चक्कर में एक बार तो मरे हुए सैनिकों के शव जल्दी से हटाने के लिए उन्हें गधे पर लादकर ले जाया गया। लेकिन सैनिकों ने ही इसका वीडियो बना लिया और सरकार व सेना को भारी नाराजगी व बेइज्जती का सामना करना पड़ा। इस बार टीटीपी ने सैन्य कर्मियों की हो रही हत्याओं के बाबत खुद ही एक पोस्टर जारी कर दिया है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने पोस्टर में बताया गया कि नवंबर 2024 उन्होंने पाकिस्तानी सैनिकों पर 207 हमले किए। इस दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की 138 लोग मारे गए और 112 लोग घायल हुए। यानी कि हर रोज पाकिस्तान सेना के 4 से ज्यादा सैनिक मारे और 4 से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए। टीटीपी के पोस्ट में यह भी बताया गया है यह हमले घात लगाकर किए गए। जिसमें 31 हमले, 88 लेजर हमले, 18 बम विस्फोट, 41 गोरिल्ला हमले आदि शामिल हैं। इन हमलों के दौरान पाकिस्तान सेना से 15 बुलेट प्रूफ जैकेट समेत बड़े पैमाने पर हथियार और गोला बारूद लूटा गया।

पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों और हमलों के चलते नवंबर का महीना मुल्क के लिए बेहद घातक साबित हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार दावा किया गया है कि पिछले महीने नवंबर में पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों और हिंसक झड़पों की एक सीरीज में 68 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 245 लोग मारे गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए।

स्थानीय अखबार डॉन ने के अनुसार भी इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में 245 लोग मारे गए, जिसमें 68 सुरक्षाकर्मियों शामिल हैं। मारे गए लोगों में 127 आतंकवादी और 50 नागरिक शामिल थे। इसके अलावा 257 लोग घायल भी हुए। नवंबर साल का दूसरा सबसे घातक महीना रहा। इससे पहले अगस्त सबसे बड़ा खूनी महीना साबित हुआ। इस महीने 92 नागरिकों के अलावा 108 आतंकवादी और 54 सुरक्षाकर्मियों समेत 254 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि सुरक्षाकर्मियों के हताहत होने के मामले में, नवंबर का यह महीना सबसे घातक महीना साबित हुआ। जबकि इससे पहले अक्टूबर का महीना सुरक्षाकर्मियों के लिए सबसे घातक साबित हुआ। इस महीने 62 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। लेकिन नवंबर में यह संख्या बढ़कर 68 तक हो गई। यही नहीं इसके अलावा, झड़पों और बम धमाकों की घटना में 257 लोग घायल भी हुए, जिनमें 104 सुरक्षाकर्मी और 119 नागरिक शामिल हैं। हमलों, घायलों और हताहतों की संख्या में वृद्धि पिछले कुछ सालों में पूरे देश में आतंकवादी हमलों में तेज वृद्धि को दशार्ती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि आतंकवादी हमलों में 131 मौतें हुईं, जिनमें 54 सुरक्षाकर्मी, 50 नागरिक और 27 आतंकवादी शामिल हैं। हालांकि आतंकवादी गतिविधियों के मामले में नवंबर महीने में खासी वृद्धि देखी गई, जिसमें अक्टूबर में 68 की तुलना में 71 हमले दर्ज किए गए। आतंक से प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र रहा। यहां पर 50 आतंकवादी हमलों में 71 लोगों की मौत हो गई जबकि 85 लोग घायल भी हुए। अंग्रेजी अखबार डॉन ने इस्लामाबाद थिंक टैंक का हवाला देते हुए कहा कि यहां के कुर्रम जिले को हाल के इतिहास में सबसे खराब आदिवासी झड़प का सामना करना पड़ा। इस खूनी झड़प में 120 से अधिक लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान में 20 आतंकवादी हमले हुए, जिसमें 60 मौतें हुईं। इनमें 26 सुरक्षाकर्मी, 25 नागरिक और 9 आतंकवादी भी शामिल हैं। थिंक टैंक के हवाले से डॉन ने बताया कि नवंबर में 127 आतंकवादी मारे गए, जो फरवरी 2017 के बाद से एक महीने में सबसे अधिक आतंकवादी मारे गए। फरवरी 2017 में कुल 148 आतंकवादी मारे गए थे।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भी इन हमलों का वजह से बड़ा नुकसान हुआ। उसके 68 कर्मियों की मौत हो गई और यह संख्या जनवरी 2023 के बाद से सबसे अधिक संख्या है। तब 114 सुरक्षा बल के लोग मारे गए थे। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि 2024 में आतंकवाद से संबंधित मौतों की संख्या 1,000 को पार कर गई हैं। पिछले 11 महीनों में अब 1,082 लोगों की मौत हो चुकी हैं। इस साल पाकिस्तान में अब तक 856 आतंकवादी हमले हो चुके हैं, जबकि पिछले साल 645 हमले हुए थे। पाकिस्तान सैन्य प्रशासन इस मुद्दे पर यह कहकर शांत हो गया कि उसने आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया हुआ है और पिछले एक महीने के दौरान उसने 50 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तान सेना की बौखलाहट इस बात से ही स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही है कि उसने अफगानिस्तान पाकिस्तान सीमा समेत उन तमाम जगहों पर जहां आतंकवादी संगठनों के शिविर हो सकते हैं, पर क्वेटा कॉप्टर में खतरनाक बम लगाकर गिराने शुरू कर दिए हैं। आतंकवादियों पर निशाने के लिए उसने बाकायदा एक अलग से आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में भी बना दिया है। जिसके जरिए वह उन्हें अफगानिस्तान में भी निशाना बनवा रहा है। यानी कुल मिलाकर पाकिस्तान सेना अपने ऊपर हो रहे हमलों और मारे जा रहे सैनिकों की संख्या को लेकर बेहद परेशान है यही कारण है कि बड़े पैमाने पर ऑपरेशन कर रही है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, प्रांतीय शीर्ष निकायों के तहत जिला समन्वय समितियां आतंकवाद से निपटने के लिए संघीय उपायों के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगी। इसके अतिरिक्त, खतरों की प्रभावी ढंग से पहचान करने और उनसे निपटने के लिए राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (एनएसीटीए) और खुफिया संलयन केंद्रों को सक्रिय किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस कदम से पाकिस्तान प्रशासन सेना के गुस्से को ठंडा करना चाहता है क्योंकि यह सभी सैनिक आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। बताया तो यह भी जाता है कि इस आतंकवाद निपटने के लिए पाकिस्तान ने अपने दोस्त चीन से मदद मांगी है। इसके बाद दोनों देशों ने आतंकवाद से संयुक्त रूप से निपटने का प्लान बनाया है। पाकिस्तान और चीन के सैन्य अधिकारियों ने चीनी नागरिकों पर हुए हालिया हमलों के बाद आतंकवाद से निपटने और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर वार्ता की। एक सैन्य बयान के अनुसार, चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के उपाध्यक्ष और चीन के दो शीर्ष सैन्य अधिकारियों में से एक जनरल झांग यूक्सिया एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान के दौरे पर हैं। जनरल झांग ने बुधवार को सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के साथ आमने-सामने बैठक की, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। बयान के अनुसार, बातचीत पारस्परिक हित से जुड़े मामलों, क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता, क्षेत्रीय स्थिरता के उपायों और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। जनरल झांग ने पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी प्रयासों के बारे में बात की। पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों पर हमले बढ़ने के कारण आतंकवाद दोनों देशों के बीच चर्चा का एक प्रमुख विषय बना हुआ है। समाचार पत्र ह्यडॉनह्ल के अनुसार, कहा जा रहा है कि बीजिंग को अब अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। लिहाजा अब चीन पाकिस्तान में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अधिक सक्रिय भूमिका चाहता है, लेकिन मंत्रालय का कहना है कि दोनों देशों के बीच आतंकवाद रोधी सहयोग एक-दूसरे की संप्रभुता के प्रति आपसी सम्मान पर आधारित है। डॉन की खबर के अनुसार, दोनों पक्षों ने क्षेत्र में भारत की भूमिका और अफगानिस्तान के घटनाक्रम, विशेष रूप से आतंकवादी समूहों की उपस्थिति के बारे में चर्चा कर रहे है। उधर पाकिस्तानी सेना में सुगबुगाहट है कि सेना लगभग 200 अरब डॉलर की व्यापारिक सम्राज्य की मालिक है। इसके बावजूद मारे गए सैनिकों को ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर की जगह गधों का प्रयोग क्यों किया गया। सेना में यह भी सुगबुगाहट है कि हेलीकॉप्टर बड़े अधिकारियों के परिवारों को कहीं घुमाने ले गए थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी हेलीकॉप्टर से कहीं गई थी, जिसके चलते सैनिकों को ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर उपलब्ध नहीं हो सका और गधों का प्रयोग करना पड़ा।

उधर आतंकवादी संगठनों ने एक पोस्टर निकाला है जिसमें उन्होंने पुलिस थाने को फोन करते हुए दिखाया है और पुलिस कर्मियों से कहा है कि उन्हें यानी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यानी कुल मिलाकर पाकिस्तानी प्रशासन का जमकर मखौल उड़ाया जा रहा है। अब यह तो तय है कि पाकिस्तान की सेना इस ऑपरेशन की आड़ में बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में निर्दोष लोगों पर जमकर अत्याचार करेगी।

महिलाओं पर बढ़ता बोझः परिवार नियोजन में पुरुषों की कम भागीदारी

-प्रियंका सौरभ

भारत के परिवार नियोजन कार्यक्रम की शुरूआत 1952 में हुई थी, जिसका उद्देश्य नसबंदी जैसे तरीकों के जरिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना था। वर्षों के साथ, इस पहल ने जनसंख्या नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवाओं में स्थायित्व की दिशा में प्रगति की। हालांकि, गर्भनिरोधक उपायों में पुरुष नसबंदी जैसे सरल और सुरक्षित विकल्प मौजूद होने के बावजूद, यह आज भी सामाजिक स्तर पर व्यापक स्वीकृति हासिल नहीं कर पाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष नसबंदी प्रक्रियाओं का केवल 0.3% हिस्सा है। नीतिगत प्रयासों के बावजूद, नसबंदी दरों में एक महत्त्वपूर्ण लैंगिक असमानता है, जिसमें सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाओं के कारण महिलाओं को ज्यादा ज़िम्मेदारी उठानी पड़ती है। 1952 से अग्रणी परिवार नियोजन कार्यक्रमों के बावजूद, भारत में नसबंदी दरों में एक महत्त्वपूर्ण लैंगिक असमानता है। नसबंदी दरों में लैंगिक असमानता और गर्भनिरोधक में पुरुषों की कम भागीदारी के पीछे सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंड हैं। भारत में पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएँ अक्सर परिवार नियोजन को मुख्य रूप से महिला की ज़िम्मेदारी मानती हैं। सर्वेक्षणों से पता चला है कि नसबंदी के लिए मुख्य रूप से महिलाएँ ज़िम्मेदार हैं, जबकि पुरुष पुरुषत्व और अहंकार की चिंताओं के कारण इसका विरोध करते हैं, जिससे नसबंदी कम स्वीकार्य हो जाती है।

बहुत से पुरुष-पुरुष नसबंदी के लिए उपलब्ध विकल्पों जैसे कि पुरुष नसबंदी के बारे में अनभिज्ञ रहते हैं। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं दोनों में अक्सर नो-स्केलपेल पुरुष नसबंदी के बारे में जागरूकता की कमी होती है, जो कि कम आक्रामक और सुरक्षित विकल्प है, जिसके कारण कम पुरुष इस प्रक्रिया को चुनते हैं। वेतन हानि का डर और दैनिक आय पर नसबंदी के प्रभाव के कारण पुरुष इस प्रक्रिया को चुनने से हतोत्साहित होते हैं। वेतन हानि की भरपाई के लिए सरकार द्वारा दिए जाने वाले नकद प्रोत्साहन का उपयोग सूचना के खराब प्रसार के कारण कम किया जाता है, जिससे कई पुरुष उपलब्ध वित्तीय सहायता से अनभिज्ञ रह जाते हैं। व्यापक धारणा है कि पुरुष नसबंदी वास्तव में जितनी जोखिम भरी है, उससे कहीं ज्यादा जोखिम भरी है, जिसके कारण पुरुष इस प्रक्रिया को अपनाने से कतराते हैं। पुरुष नसबंदी की सुरक्षा के बारे में गलत जानकारी, जिसमें साइड इफेक्ट और जटिलताओं का डर शामिल है, अक्सर पुरुषों को इस प्रक्रिया पर विचार करने से रोकती है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की कमी है, जिससे पुरुष नसबंदी प्रक्रियाओं तक पहुँच सीमित हो जाती है।

भारत के नसबंदी कार्यक्रम में चुनौतियाँ सूचित सहमति का अभाव है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाओं पर नसबंदी प्रक्रियाओं के निहितार्थों को पूरी तरह समझे बिना दबाव डाला जाता है या उन्हें इसके लिए मजबूर किया जाता है। 2014 में छत्तीसगढ़ में हुए कुख्यात नसबंदी कांड में, जहाँ एक असफल नसबंदी शिविर के बाद 15 महिलाओं की मौत हो गई थी, सूचित सहमति के प्रति उपेक्षा को उजागर किया। नसबंदी प्रक्रियाएँ अक्सर अपर्याप्त नसबंदी प्रथाओं के साथ खराब सुसज्जित स्वास्थ्य सुविधाओं में की जाती हैं, जिससे संक्रमण और जटिलताएँ होती हैं। नसबंदी के लिए सरकारी लक्ष्य अक्सर स्वास्थ्य कार्यकताओं पर कोटा पूरा करने का दबाव डालते हैं, जिससे देखभाल की गुणवत्ता और नैतिक विचारों से समझौता होता है। नसबंदी महिलाओं के लिए असंगत रूप से लक्षित है, जो लैंगिक असमानता को कायम रखती है और प्रजनन विकल्पों को सीमित करती है। ठ्ठ्र-4 (2015-16) के अनुसार, महिला नसबंदी 37.9% है, जबकि पुरुष नसबंदी केवल 0.3% है, जो भारत में नसबंदी जिम्मेदारियों के विषम वितरण को उजागर करता है। नसबंदी करवाने वाली महिलाओं को सामाजिक कलंक और भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है, जो उनके आत्मसम्मान और कल्याण को प्रभावित करता है। जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने पुरुष नसबंदी के लिए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, कार्यान्वयन धीमा है। नीतिगत पहलों के बावजूद, परिवार नियोजन कार्यक्रमों में पुरुषों की भागीदारी को रोकने वाली बाधाओं को दूर करने पर अपर्याप्त ध्यान देने के कारण पुरुष नसबंदी की दरें स्थिर हो गई हैं।

कई पुरुष इसे अपनी ₹मर्दानगी₹ पर आघात मानते हैं। वहीं, पारंपरिक धारणाएँ और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी ने भी इस प्रक्रिया को अपनाने में रुकावटें खड़ी की हैं। पुरुष नसबंदी महिलाओं की तुलना में एक सरल और सुरक्षित प्रक्रिया है। इसे अपनाने से न केवल महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ कम होंगी, बल्कि समाज में लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत को चाहिए कि वह शिक्षा, जागरूकता, और आर्थिक प्रोत्साहन के माध्यम से परिवार नियोजन को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करे। परिवार केवल महिलाओं का दायित्व नहीं है। पुरुषों की भागीदारी से परिवार नियोजन अधिक सफल और संतुलित हो सकता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के 30% पुरुष नसबंदी के लक्ष्य को प्राप्त करने के उपाय जागरूकता और शिक्षा में वृद्धि। पुरुष नसबंदी की सुरक्षा और लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्रित शैक्षिक अभियान अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित कर सकते हैं। सूचना अभियानों को नो-स्केलपेल नसबंदी के लाभों पर जोर देना चाहिए, इसकी सुरक्षा और न्यूनतम रिकवरी समय पर प्रकाश डालना चाहिए। पुरुषों को नसबंदी का विकल्प चुनने के लिए अधिक आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन देना भागीदारी बढ़ा सकता है। नसबंदी सेवाओं तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर बुनियादी ढाँचा बनाना आवश्यक है। पुरुष नसबंदी प्रक्रियाओं में अधिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करना पुरुषों के लिए सेवाओं तक पहुँच को आसान बना देगा। परिवार नियोजन पहलों को सीधे पुरुषों को लक्षित करना चाहिए, पुरुष नसबंदी और अन्य पुरुष गर्भनिरोधक विधियों को बढ़ावा देना चाहिए। अधिक पुरुषों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पुरुषत्व और परिवार नियोजन के प्रति सांस्कृतिक दृष्टिकोण को चुनौती देने की आवश्यकता है। सार्वजनिक अभियानों को सामाजिक धारणाओं को बदलने के लिए काम करना चाहिए, यह दिखाते हुए कि पुरुष नसबंदी पुरुषों के लिए एक ज़िम्मेदार और सशक्त विकल्प है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के 2025 तक 30% पुरुष नसबंदी के लक्ष्य को प्राप्त करना परिवार नियोजन में लैंगिक समानता के लिए महत्त्वपूर्ण है। सांस्कृतिक, आर्थिक और अवसंरचनात्मक बाधाओं को सम्बोधित करने से पुरुष भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। अन्य देशों की सर्वोत्तम प्रथाएँ, जैसे सामुदायिक नेता भागीदारी और लक्षित शिक्षा, प्रगति को गति देंगी। पुरुष नसबंदी महिलाओं की तुलना में एक सरल और सुरक्षित प्रक्रिया है। इसे अपनाने से न केवल महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां कम होंगी, बल्कि समाज में लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत को चाहिए कि वह शिक्षा, जागरूकता, और आर्थिक प्रोत्साहन के माध्यम से परिवार नियोजन को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करे। परिवार केवल महिलाओं का दायित्व नहीं है। पुरुषों की भागीदारी से परिवार नियोजन अधिक सफल और संतुलित हो सकता है।

त्रासदी को कैसे बनाया रोचक इतिहास वो 17 दिन

-जेबा खान

आप सबको वो दिन तो याद ही होगा जब देश में हर जगह दिवाली की तैयारियां चल रही थीं तभी अचानक से टीवी पर एक ब्रेकिंग न्यूज फ़्लैश होने लगती है जिसमें बताया जा रहा था कि सिलक्यारा सुरंग के अंदर 41 मजदूर फस गये हैं जिन्हें बचाना बहुत मुश्किल है जैसे ही टीवी पर ये खबर आई तो मानो दीवाली के रंग में भंग पड़ गया हो। हर किसी की नजर बस सरकार के ऊपर ही टिकी हुई थी। जिसे देखो वो बस उस घटना की ही बात कर रहा था। इस घटना को पुस्तक का रूप दिया है कुमार राजीव रंजन सिंह और इसका संपादन अमित कुमार ने किया है, इसका प्रकाशन डायमंड बुक्स ने किया गया है। इतिहास बन चुके किसी भी त्रासदी को रोचक तरीके से लिखना और उसमें हकीकत की तासीर को बनाएं रखना किसी भी लेखक के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। लेकिन यह चुनौती तब और बड़ी हो जाती है जब उसे हर वर्ग, हर तबके के पाठकों को ध्यान में रखकर लिखा गया हो। यह चुनौती भरा काम कुमार राजीव रंजन सिंह ने किया है। कुमार राजीव रंजन सिंह छात्र जीवन से ही राजनीतिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों में गहरी रुचि रखने लगे जिस वजह से देश के सामने तमाम चुनौतियों और समस्याओं से उद्वेलित राजीव रंजन छात्र नेता रहने के दौरान ही राष्ट्रीय राजनीति में गहराई तक जुड़ गए और समसामयिक मुद्दों को उठाते रहे। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव भी लड़ा उनकी राजनीति मुख्य रूप से युवाओं के साथ जुड़कर उनके मुद्दों के प्रति आम लोगों में जागरूकता फैलाने का रहा है। राजीव रंजन सभी के लिए समान अवसरों के पक्षधर रहे हैं और इसके लिए सतत प्रयत्नशील भी। युवाओं का सशक्तीकरण राजीव रंजन का प्रिय विषय है। इसीलिए वर्ष 2007 में उन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के एनजीओ 'युवा.. एक आंदोलन' की स्थापना की। इसके अलावा उन्होंने नेहरू युवा केंद्र तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'महात्मा गांधी युवा सूचना केंद्र (MYGYIC-COM)' की शुरूआत की। राजीव रंजन उन लोगों में थे जिन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की परिवर्तनकारी संभावनाओं और युवाओं के सशक्तीकरण के लिए उनकी गंभीरता को पहचाना। श्री मोदी के नेतृत्व में युवाओं से जुड़े मुद्दों के केंद्र में आने से प्रभावित होकर वे 'यंग इंडिया' से जुड़ गए। श्री राजीव रंजन ने बदलते भारत के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में बौद्धिक प्रतिभाओं की जरूरत को देखते हुए एक ऐसी संस्था की कल्पना की जो सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती में भी सहायक हो। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने 2022 में एक थिंक टैंक 'इंडिया सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड डेवलपमेंट' (ICPRD) की स्थापना की। युवा सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्ध कुमार राजीव रंजन सिंह देश की प्रगति एवं उन्नति के लिए सामूहिकता में विश्वास करते हैं। इस पुस्तक का सम्पादन अमित कुमार ने किया है जो पिछले 25 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र अपना जोहर दिखा रहे हैं। मौजूदा समय में यह राष्ट्रीय सहारा हिंदी दैनिक में वरिष्ठ संवाददाता के पद पर कार्यरत हैं। पत्रकारिता के अलावा लेखनकार्य से भी जुड़े हुए है अमित कुमार की अबतक तीन किताबे प्रकाशित हो चुकी है। जिसमें से एक पुस्तक पत्रकारिता पर आधारित 'जनसम्पर्क' है जिसे दिल्ली सरकार की हिंदी अकादमी की ओर से 'साहित्यकृति' सम्मान भी मिल चुका है। इसके अलावा क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के ऊपर एक किताब 'सफलतम कप्तान महेंद्र सिंह धोनी' के नाम से लिखी है। और इस कड़ी में एक कविता संग्रह भी प्रकाशित हो चुकी है। अमित ने टीवी सीरियल में भी हाथ आजमाया है। हिंदी के पहले उपन्यास 'परीक्षा गुरु' का दूरदर्शन के लिए सीरियल में रूपांतरण किया है। इस सीरियल के संवाद और स्क्रीन प्ले भी लिखे हैं। पत्रिकारिता के फील्ड में इन्होने खूब नाम कमाया है खून की कालाबाजारी, प्रदूषण खासकर 'लाइटपॉल्यूशनह्लजिसके बाद आम आदमी को पता चला कि रौशनी से भी प्रदूषण फैलता है जिससे हमारी इकोलॉजी पर सबसे बुरा प्रभाव पड़ता है। यह रंगमंच से भी लंबे समय तक जुडे रहे। यही वजह है कि पत्रकारिता के फील्ड में कदम रखने के बाद भी उन्होंने रंगमंच को नही छोड़ा और अपनी लेखनी के माध्यम से रंग समीक्षा जारी रखी। साथ ही राष्ट्रीय सहारा में लंबे समय तक राजधानी में मंचित होने वाले नाटकों के लिए 'मंडी हाउस' शीर्षक से नियमित रूप से एक साप्ताहिक कॉलम लिखे हैं। इन्होने हमेशा प्रमुखता में स्वास्थ और पर्यावरण को ही रखा है। इस पुस्तक से आप लोगों को पता चलेगा आखिर वो 17 दिन को उत्तराखंड के सिलक्यारा सुरंग में फसे हुए लोगों ने हर एक दिन मौत का तांडव होते देखा है। उनके आंखों के सामने कभी न खत्म होने वाला अंधेरा था, लेकिन इसके साथ ही उनके अंदर भरोसे की एक ऐसी अदृश्य रोशनी भी जगमगा रही थी जो उन्हें यह भरोसा दिला रही थी कि वह एक दिन अपनों से जरूर मिलेंगे। सिलक्यारा सुरंग के बीच में फंसे इन 41 मजदूरों के अंदर उम्मीदों की यह किरण देश के यशश्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस पूरे ऑपरेशन को व्यक्तिगत रूप से मॉनिटर किए जाने की वजह से जगी थी। ऐसा 17 दिनों के बाद सुरंग से बाहर आए मजदूरों ने बताया था। लेखक ने सिलक्यारा की घटना को जितने रोचक तरीके से लिखा है उससे पता चलता है कि उन्होंने पूरी घटना को बहुत ही बारीकी के साथ देखा और समझा है। किताब को पढ़ते हुए कभी भी ऐसा नहीं लगता है कि इतिहास के पन्ने को उलट रहे हैं ।

जि.प.मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में वसई तहसील की समीक्षा बैठक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के वसई तहसील अंतर्गत स्थित पंचायत समिति वसई में शुक्रवार 6 दिसंबर 2024 को पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्र शिंदे की अध्यक्षता में गट विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी (पंचायत), विस्तार अधिकारी (सांख्यिकी), सभी विभाग प्रमुखों, उप अभियंता, शाखा अभियंता, सहायक प्रशासन अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम सेवक की समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्राम पंचायत चन्द्रशेखर जगताप, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जल एवं स्वच्छता विभाग अतुल पारसकर, प्रदीप डोलारे, गट विकास अधिकारी, पंचायत समिति वसई समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस बैठक के दौरान जिला ग्रामीण विकास व्यवस्था विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक के अपूर्ण आवास एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त घरकुल योजना के अपूर्ण आवासों को जनवरी 2025 के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। यदि लाभार्थी आवासों का निर्माण पूरा नहीं करता है तो सरकारी खाते में भुगतान कराकर उक्त आवासों को आवंटित सब्सिडी निरस्त कर दी जाए। साथ ही वर्ष 2024-25 की सभी योजनाओं को मार्च 2025 के अंत तक पूरा करने की कार्रवाई की जाये। ऐसा निर्देश मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने दिये।उन्होंने

मौके पर उपस्थित अधिकारियों से यह भी कहा कि सरकारी जमीन पर बने मकानों के संबंध में सरकारी नियमानुसार कार्रवाई करते हुए लंबित मकानों को पूरा कराया जाए।इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को माझी वसुन्धरा अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिये।ग्राम पंचायत विभाग की जन सुविधा एवं नागरी सुविधा योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के अपूर्ण कार्य 15 जनवरी 2025 तक पूर्ण किये जायें, साथ ही स्वीकृत कार्य मार्च 2025 के अंत तक पूर्ण किये जायें। 2025-26 की योजना प्रस्तुत करते समय शासन के निर्णय के अनुसार कार्य प्रारम्भ किये जायें। ग्राम पंचायत की ओर से शेष राशि यथावत रखी जाये तथा कार्यों का प्रस्ताव रखते समय दक्षता पूर्वक किया जाये। 15वें वित्त आयोग के तहत वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक बाउंड एवं अनबाउंड के सभी कार्यों को पूर्ण करने की कार्यवाही की जाये।15वें वित्त आयोग के अंतर्गत कार्यों पर सरकारी कटौती का भुगतान संबंधित खातों में करने का ध्यान रखते हुए ग्राम पंचायत के सभी गृह स्वामियों को गृहकर भुगतान जारी करने का कार्य सोमवार 09 दिसंबर 2024 तक पूर्ण कर रिपोर्ट जिला कार्यालय में प्रस्तुत करें। ग्राम पंचायत कों शत-प्रतिशत कर वसूली करने का निर्देश दिया गयासभी ग्राम पंचायतें सरकार द्वारा नियुक्त निविदाकर्ता से कूड़ेदान, ई-वाहन की खरीद, निजी एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के संबंध में कार्रवाई करें।जल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के दौरान सार्वजनिक शौचालय के तहत नये प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने योजना के सभी कार्य मार्च 2025 के अंत तक पूर्ण कर शत-प्रतिशत व्यय दर्ज करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर सभी विभागों की विस्तृत समीक्षा की गयी।इस बैठक में हनुमंत कांबले, उपविभागीय अभियंता (निर्माण) पंचायत समिति वसई, गट शिक्षा अधिकारी, विस्तार अधिकारी उपस्थित थे।

दादर चैत्यभूमि में बौद्ध भिक्षुओं के लिए चिकित्सा शिविर और वस्त्रदान का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय घटना के शिल्पकार भारतरत्न डॉ बाबा साहेब आम्बेडकर के 68 वें महापरिनिर्वाण दिन पर फ्लोरा फाउन्डेशन के मेनेजिंग ट्रस्टी और मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भव'नजी, देव देश प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ वैभव देवगिरिकर और भारतीय भिक्खू संघ के संयुक्त तत्वाधान में दादर चैत्यभूमि शिवाजी पार्क में सैकड़ों बौद्ध भिक्षुऔ के लिए चिकित्सा शिविर और वस्त्रदान का आयोजन किया गया।

इस मौके पर भाजपा विधायक कालिदास कोलमकर ने भिक्खु संघ के कार्याध्यक्ष विरत्न महाथेरो को वस्त्रदान किया।कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी, फ्लोरा फाउन्डेशन के अध्यक्ष अरुण सबनीस,स्वामी भारत भूषण के अलावा मुंबई के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और राजनैतिक व शैक्षणिक क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग मौजूद थे।सैकडों बौद्ध भिक्खुओं को चिवर दान और उनके स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दवा और मुफ्त चश्मा दिया गया।

मिहिर कोटेचा को दूसरी बार विधायक बनने पर दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड विधानसभा के विधायक मिहिर कोटेचा को लगातर दुसरी बार विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह, देवदास मुरांजन सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा।आप लोगों की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा।

एसबीआई कार्ड ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का आंकड़ा पार किया

मुंबई। एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि देश भर में अभिनव समाधान प्रदान करने और ग्राहकों के अनुभवों को बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के क्रेडिट कार्ड परिदृश्य को बदलने में एसबीआई कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका और 'डिजिटल इंडिया की करेंसी के अपने वादे को भी रेखांकित करती है।

1998 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई कार्ड ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक उत्पादों को डिजाइन करने में अग्रणी रहा है। खासे विचार विमर्श के बाद जारी कोर कार्डों से लेकर प्रीमियम ब्रांडों के साथ को-ब्रांडेड साझेदारियों तक, रिवाड्र्स-संचालित और जीवनशैली-केंद्रित आफरों तक, एसबीआई कार्ड ने लगातार भारतीय क्रेडिट कार्ड उद्योग में ग्राहक-केंद्रित नवाचार के लिए नए मानदंड स्थापित किए हैं और बाजार में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा एसबीआई कार्ड ब्रांड 'लाइफ को आसान बनाएं' के मूल्यवान सिद्धांत पर आधारित है। 2 करोड़ कार्ड जारी करने का आंकड़ा पार करना हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर रखे गए विश्वास और आत्मविश्वास का प्रमाण है। यह नवाचार, बेहतर ग्राहक सेवा और हर भारतीय को सुविधाजनक, सुरक्षित और रिवाड्र्स देने वाले भुगतान समाधानों के साथ सशक्त बनाने के दृष्टिकोण पर हमारे अथक ध्यान को दर्शाता है। हम अपने बढ़ते ग्राहक आधार को अद्वितीय मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हम उनकी विकसित आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रखते हैं। एसबीआई कार्ड के पास आज भारत भर में चारों तरफ एक मजबूत ग्राहक अधिग्रहण नेटवर्क है, जिसमें इअठउअ और ओपन मार्केट शामिल है।

टेक्निमोंट ने नवी मुंबई में एक नए कार्यालय के साथ भारत में अपने पदचिह्न का विस्तार किया है

मुंबई। मायरे ने ऐरोली, नवी मुंबई में अपना नया टेक्निमोंट प्राइवेट लिमिटेड (टीसीएमपीएल) कार्यालय खोलने की घोषणा की. वह मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के केंद्र में छठा और भारत में सातवां है। यह गीगाप्लेक्स टॉवर में ऐरोली के माइंडस्पेस क्षेत्र में स्थित एक नया तीसरा कार्यालय है, जिसमें 700 लोगों की बैठने की क्षमता है।

रणनीतिक रूप से मध्य क्षेत्र में स्थित, ऐरोली कार्यालय कर्मचारियों के दैनिक आवागमन के समय को औसतन 3 घंटे कम करने को प्राथमिकता देता है, जिससे उनके कार्य-जीवन संतुलन में सुधार होता है और कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो स्थिरता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर मायरे के फोकस के साथ संरेखित होता है। टीसीएमपीएल के प्रबंध निदेशक, सथियामूर्ति गोपालसामी ने टिप्पणी की, भारत में हमारी उपस्थिति बढ़ती दर से बढ़ रही है। नया स्थान भारत में हमारी विस्तार योजनाओं का समर्थन करता है, जिसमें आज तक 3,100 से अधिक लोग हैं, जो स्थायी विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के मायरे समूह के दृष्टिकोण के अनुरूप है। मायरे र.स्त्र.अ. एक अग्रणी प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग समूह है जो ऊर्जा संक्रमण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा कार्यकताओं ने शुक्रवार को देर शाम जोगेश्वरी (पश्चिम) के आनंदनगर, न्यू. लिंक रोड स्थित संस्था कार्यालय पर कार्यक्रम कर संविधान निमार्ता डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। इस मौके इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, महराष्ट्र के उपाध्यक्ष व सत्यवादी चेयरमैन एसएम खान ने संविधान निमार्ता डॉ.भीमराव आंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कि कहा कि बीआर आंबेडकर ने अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आरके दुबे, अनुराधा बाविस्कर, सुनील दुबे, रामबृक्ष यादव,राजेश चौहान, निर्मला जायसवाल,काबेरी मित्रा, कोमल सिंह और निशा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आर्य गुरुकुल स्कूल, नंदिवली में खेल मेला का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में लिटिल आर्यन प्री-के और सेंट मैरी हाई स्कूल ने 7 दिसंबर 24 को अपने बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेल दिवस- खेल मेला का आयोजन आर्य गुरुकुल स्कूल, नंदिवली में बड़े उत्साह के साथ किया। कल्याण, अंबरनाथ और डोंबिवली की सभी शाखाओं के बच्चों, अभिभावकों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। दिन की शुरूआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जहां बच्चों ने अनुशासन और समन्वय के साथ शानदार मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। भव्य खेल मेले में डॉ.भरत मलिक के मार्गदर्शन में गार्ड ऑफ ऑनर और भारतीय ध्वज फहराने से उपस्थित सभी लोगों में खेल भावना की भावना जागृत हुई। मुख्य अतिथी डॉ.मुबशिर मोहम्मद पारकर ने

मशाल जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और दर्शकों को बचपन की शारीरिक फिटनेस और टीम वर्क के महत्व के बारे में प्रेरक शब्दों से संबोधित किया। इस खेल मेले में स्कूली बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। स्कूल प्रबंधन के मुताबिक इन खेलों के आयोजन का लक्ष्य शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। इस वर्ष के खेल मेले का विषय यूनिवर्सल आउटलुक था, बच्चों को चिन्मय विजन कार्यक्रम के स्तंभों में से एक के करीब लाना बच्चों को वैश्विक नागरिक बनने और खुद को वैश्विक स्थिति में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में देखने के लिए प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम में दर्शकों के लिए एक शानदार दृश्य देखने को मिला नन्हे प्रीस्कूलर्स ने विभिन्न जिम्नास्टिक और योगाभ्यास किए। इस दौरान संस्थान की निदेशक डॉ. नीलम मलिक, सेंट मैरी स्कूल की सीईओ विंदा भुस्कुटे, प्रिंसिपल दिव्या बोरसे, शीतल सप्रे, सपना उप्पल, खेल संचालक दीपक वर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

विधायक संजय उपाध्याय ने फेरीवालों की तरह सड़क पर शुरू किया अनोखे तरीके से जनसंपर्क

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरीवली मे फेरीवालों की समस्या दूर करने की ओर पुलिस एवं मनपा प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए स्थानीय भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने अनोखा तरीका अपनाया है।

उन्होंने फेरीवालों की तरह ही रास्ते पर ही अपना जनसंपर्क कार्यालय चलाने का निर्णय लिया है. इस बारे में पूछने पर संजय उपाध्याय ने कहा,ह्वबोरीवली विधानसभा में एस. वी. रोड पर गैर कानूनी तरीके से बैठने वाले फेरीवालों की वजह से बोरीवलीकर को हो रही समस्याओं को लेकर लोगों की लगातार शिकायत मिली रही है।आज के बाद यदि फेरीवाला बिना कोई पैसे भरे रोड पर बैठकर धंधा कर सकता है तो मैं भी अपने ऑफिस में नहीं बैठूंगा.

कार्यालय के किराये पर खर्च नहीं करूँगा और बोरीवलीकर की समस्या को सुनने के लिए रोड पर बैठकर समस्या का निवारण करूँगा। बोरीवली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वयं विधायक संजय उपाध्याय ने सड़क पर बैठकर पुलिस अधिकारियों को वास्तविक समस्याओं से अवगत कराया ओर तुरंत कार्रवाई करने का आदेश दिया।

ईकेए मोबिलिटीने मुख्य इनोवेशन ऑफिसर के रूप में सोहेल मर्चेंट की नियुक्ति की है

मुंबई। ईकेए (पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड), एक प्रमुख इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और टेक्नोलॉजी कंपनी ने, अपने मुख्य इनोवेशन ऑफिसर (सीआईओ) के रूप मे श्री सोहेल मर्चेंट की नियुक्ति की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रही है। यह नई नियुक्ति इस बात को रेखांकित करती है कि कैसे ईकेए एक ब्रांड के रूप में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है और दुनिया भर में ईवी उद्योग में अपनी पहचान बनाने के लिए दुनिया भर में शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहा है।श्री मर्चेंट ने ऑटोमोटिव उद्योग में वाहन इंजीनियरिंग और प्रोग्राम प्रबंधन के क्षेत्रों में 20 से अधिक वर्षों तक काम किया है। उनके पास कैनू इंक, टेस्ला, फैराडे फ्यूचर इंक और फोर्ड मोटर कंपनी सहित कुछ सबसे क्रांतिकारी कंपनियों में पेशेवर अनुभव है। ईकेए से पहले, वह कैनू में सह-संस्थापक और सीटीओ थे, जहां उन्होंने वाणिज्यिक क्षेत्र, अमेरिकी रक्षा विभाग और नासा के लिए इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म और वाहनों के डिजाइन और नवीनता में मदद की। टेस्ला में, श्री मर्चेंट मॉडल एस और मॉडल एक्स वाहनों के डिजाइन में शामिल थे, जिन्होंने डिजाइन और प्रदर्शन में एक नया मानक स्थापित किया। अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, श्री सोहेल मर्चेंट ने कहा, ह्लईवी उद्योग में ऐसे परिवर्तनकारी समय में ईकेए मोबिलिटी से जुड़कर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं बेहतरीन और मूल्यवान ईवी समाधान बनाने के लिए टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' श्री मर्चेंट ने आयोवा विश्वविद्यालय से औद्योगिक इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त की है। वह अंतर्राष्ट्रीय ऑटोमोटिव उद्योग में कार्य अनुभव के साथ एक पेशेवर, एक रणनीतिक नवोन्मेषी विचारक, एक नेता और एक कर्ता हैं। हरित गतिशीलता के अगले युग को परिभाषित करने के लिए ईकेए के विकास में यह एक प्रमुख कदम है।

नियुक्ति पर बोलते हुए, ईकेए के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. सुधीर मेहता ने कहा, ह्लहम ईकेए मोबिलिटी में मुख्य नवाचार अधिकारी के रूप में सोहेल मर्चेंट का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। अपने अमूल्य वैश्विक अनुभव के साथ, सोहेल ईकेए की मजबूत वरिष्ठ नेतृत्व टीम में शामिल हो गए, जो अब उद्योग में सबसे मजबूत में से एक है। हमारी वैश्विक प्रबंधन टीम के साथ, ईकेए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्रांति का नेतृत्व करने, अत्याधुनिक समाधान देने और टिकाऊ परिवहन के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

स्कूल में बच्चों का शोषण करने वाला स्कूल संचालक गिरफ्तार

10 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश

चेतन निर्मल संवाददाता

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ की निजी स्कूल में बच्चों का शोषण करने की चिंताजनक घटना सामने आई है। इस मामले में अंबरनाथ पुलिस ने स्कूल के संचालक जेम्स जोसेफ शेरॉव (36) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि जेम्स छोटे बच्चों से कपड़े उतरवाकर शरीर की मालिश करवाता था।

ज्ञात हो कि कुछ महीने पहले बदलापुर स्कूल में नाबालिग बच्ची के साथ हुए अत्याचार की वारदात ने पूरे देश में खलबली मचा दी थी। अब अंबरनाथ की स्कूल में हुई इस घटना से फिर एक बार सनसनी मच गई है। जानकारी के मुताबिक आरोपी जेम्स जोसेफ एक ओपन स्कूल का संस्थापक है। जेम्स स्कूल के छोटे बच्चों से कपड़े उतरवाकर अपने शरीर की मालिश करवाता था। सूत्रों की माने तो पिछले तीन-चार महीने से यह सब चल रहा था। हाल ही स्कूल संचालक की इस करतूत का वीडियो वायरल हुआ। जिसके पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अंबरनाथ पुलिस ने बच्चों का शोषण करने वाले स्कूल संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी संचालन को 10 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश न्यायलय ने दी है । पूरे मामले की जांच अंबरनाथ पुलिस ठाणे के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालाजी पांढरे कर रहे है।

रितेश और जेनेलिया देशमुख ने सुधीर मेहता और अजिंक्य डी. वाई. पाटिल के साथ मिलकर वर्ल्ड पिकलबॉल लीग की पुणे टीम का मालिकाना हक हासिल किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्ल्ड पिकलबॉल लीग ने आज बड़ी खुशी के साथ पुणे यूनाइटेड के लॉन्च की घोषणा की, जो इस शहर की अपनी फ्रैंचाइजी है। इस टीम को जबरदस्त उत्साह से भरे टीम ओनर्स का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है, जिनमें बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी रितेश एवं जेनेलिया देशमुख के साथ-साथ एका मोबिलिटी और पिनेकल इंडस्ट्रीज के कॉर्पोरेट लीडर्स, सुधीर एवं सुनंदा मेहता, तथा अजिंक्य डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी के दूरदर्शी शिक्षक अजिंक्य डी.वाई. पाटिल एवं पूजा पाटिल शामिल हैं।

इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, रितेश देशमुख ने कहाः पिकलबॉल एक ऐसा खेल है, जिसका दायरा पूरी दुनिया में बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। हर उम्र के लोगों में इस खेल की दीवानगी और लोकप्रियता वाकई बेमिसाल है। वर्ल्ड पिकलबॉल लीग का हिस्सा बनकर हमें बेहद खुशी हो रही है, जो यकीनन पूरे भारत में पिकलबॉल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। पुणे यूनाइटेड के जरिये हम एक ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करे, साथ ही दंपतियों, परिवारों और समुदायों को भी एकजुट होकर इस शानदार खेल को अपनाने और सेहत व तंदुरुस्ती से भरा जीवन बिताने के लिए प्रेरित करे।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए, जेनेलिया देशमुख ने कहा, श्पुणे यूनाइटेड सचमुच धूम मचा रहा है। वर्ल्ड पिकलबॉल लीग का हिस्सा बनकर हमें बेहद खुशी हो रही है। पिकलबॉल में लोगों को एकजुट करने, उनका हौसला बढ़ाने और बदलाव लाने की ताकत है। पुणे यूनाइटेड में हमारा मिशन बेहद सरल हैः हम लोगों के दिलों में पिकलबॉल के लिए प्यार जगाना चाहते हैं, जो कोर्ट के दायरे से परे हो। हम भाईचारे, खुशहाली और मौज-मस्ती की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अपने संकल्प पर कायम हैं, जिससे हमारे खिलाड़ियों, परिवारों और समुदाय का जीवन समृद्ध होगा।

एका मोबिलिटी और पिनेकल इंडस्ट्रीज के संस्थापक एवं अध्यक्ष, डॉ. सुधीर मेहता ने कहा, हम इस ग्लोबल स्पोर्ट्स फ्रैंचाइजी को पुणे में लाना चाहते थे। पुणे एक युवा और जिंदादिल शहर है, जहाँ छात्र, उद्यमी, शिक्षाविद, अलग-अलग पेशे से जुड़े युवा जैसे कई तरह के लोग रहते हैं। पिकलबॉल आज के जमाने के लिए सबसे बेहतर खेल है, जो सुलभ, सेहतमंद और आनंददायक है। पुणे यूनाइटेड के साथ हम होनहार खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देना चाहते हैं, साथ ही हम एक ऐसी संस्कृति विकसित करना चाहते हैं, जो पुणे को इनोवेशन, फिटनेस और समुदाय की भागीदारी के केंद्र के रूप में दुनिया के सामने लाए। अजिंक्य डी. वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी के संस्थापक-अध्यक्ष, अजिंक्य डी. वाई. पाटिल ने कहाः हम पुणे यूनाइटेड के जरिये सभी उम्र और हर तबके के लोगों को एकजुट करना चाहते हैं, ताकि उनमें अपनेपन और गर्व की भावना को बढ़ावा मिले। यह खेल सचमुच बड़ा रोचक और आकर्षक है और एक टीम के रूप में, पुणे यूनाइटेड इस शहर की बेमिसाल क्षमता के साथ-साथ यहाँ की समृद्ध संस्कृति और नवीन ऊर्जा का भी प्रतिनिधित्व करेगा। लीग में शामिल इस नई टीम के बारे में बात करते हुए, WPBL के संस्थापक एवं सीईओ, श्री गौरव नाटेकर ने कहा, पुणेवासी होने के नाते, मुझे पुणे यूनाइटेड का WPBL परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

अलग-अलग पृष्ठभूमि और खेल के प्रति एक-समान लगाव रखने वाले, जबरदस्त उत्साह से भरे टीम ओनर्स यकीनन एकजुट होकर एक बड़ी ताकत बनाएंगे, साथ ही पुणे और उसके बाहर पिकलबॉल की लोकप्रियता और इसकी अहमियत को बढ़ाएंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायलय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

ट्रेन की चपेट में आये वृद्ध की मौत, परिवार में मातम

रियाजुल हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बलुआघाट निवासी 71 वर्षीय मिर्जा वसी हैदर उर्फ लाडले 7 दिसम्बर 2024 को सुबह सिटी रेलवे स्टेशन से वाराणसी जाने के लिए महामना एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने पहुचे थे कि प्लेटफार्म से ट्रेन चल पड़ी जैसे ही वह ट्रेन पकड़ना चाहे कि उनका पैर फिसल गया और वह गिर गए और ट्रेन के चपेट आ गये। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि नगर के ओलन्दगंज में प्रिंस वॉच हाउस की एक उनकी दुकान है। दुकान का सामान लेने के लिए वह वाराणसी के लिए निकले थे। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। उक्त घटना की सूचना पर पहुँची जीआरपी पुलिस शव कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा हैं।

थाना लाइन बाजार पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे ।अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में,प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में उ0नि0 सत्यवीर यादव मय हमराह हे0का0 निगवेन्द्र कुमार व हे0का0 राकेश विश्वकर्मा के साथ के साथ देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन तलाश तलाश वारण्टी अभियुक्त में मामूर थे कि वारण्टी जटाशंकर पाण्डेय पुत्र चण्डी प्रसाद पाण्डेय निवासी मिरदहाचक थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर के घर पर दबिश दी गयी तो मा0 न्यायालय अटठउ-11, जौनपुर के मु0नं0- 864/18 धारा- 417, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि0 थाना लाइनबाजार ता0पेशी दिनांक-12.12.2024 से सम्बन्धित अभियुक्त घर पर मौजूद मिला। जिन्हे कारण गिरफ्तारी बताते हुए नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय व माननीय मानवाधिकार आयोग के आदेश निर्देश का अक्षरशः पालन किया गया। अभियुक्त उपरोक्त को मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक कुरीति पर जोरदार प्रहारः सीएम योगी

शादी के बंधन में बंधे 401 जोड़े, मुख्यमंत्री ने दिया नए जोड़ों को खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पिंडरा तहसील के नेशनल इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित 401 जोड़ो के शादी समारोह में शामिल हुए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक कुरीति पर जोरदार प्रहार है। कहा कि जब दहेज रूपी दानव के कारण अनेकों परिवारों के सामने संकट पैदा होता है तब कितनी बेटियां अविवाहित रह जाती हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को महान आयोजन बताया। 401 वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए सीएम योगी ने इस कार्यक्रम में सम्मिलित अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश में सरकार बनने के बाद उन्होंने महिलाओं को व्यापक स्तर पर सम्मान दिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से उन्होंने जो कार्यक्रम शुरू किया। वह आज देश के अंदर प्रत्येक क्षेत्र में बेटियों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जा रहा।उसका सर्वत्र स्वागत किया जा रहा है। चार लाख से अधिक बेटियों की कराई जा चुकी हैं शादियां सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम शुरू किया गया।

जिसके अंतर्गत अब तक प्रदेश में चार लाख से अधिक बेटियों की शादियां कराई जा चुकी हैं। सामूहिक शादी कार्यक्रम को यज्ञ बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें हम लोग भी सम्मिलित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने वर वधुओं एवं उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि इस सामूहिक शादी का कार्ड जिले के डीएम ने बांटे और शादी कार्यक्रम में हम सब शामिल हो रहे हैं। हर हालत में बेटियों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सीएम ने कहा कि इज्जत घर के रूप में शौचालय, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना आदि नारी के सम्मान एवं उनके गौरव का प्रतीक बना। देश में 10 करोड़ लोगों को इस योजना से लाभान्वित कराया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के लगभग 2 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचाया गया। महिला एवं सहायता समूह के माध्यम से तीन करोड़ दीदीयों को लखपति बनाने की योजना भी उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किया गया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र की वह महिला या पुरुष हो। किसी जाति, धर्म, मजहब की हो।उसे प्रत्येक वर्ष 05 लाख रुपये का निःशुल्क मेडिकल सुविधा मिले, इसका प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से साधना-अभिषेक, पूनम-अजय, प्रियाकुमारी, ज्योति-कृष्ण दत्त, अनिशा- राहुल, सविता पटेल-कुलदीप व वंदना धर्मराज जोड़ो को उपहार दिए। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, एमएलसी धर्मेंद्र राय, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ.अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, विधायक टी राम, विधायक सुशील सिंह, पूर्व सांसद डॉ.बी.पी.सरोज के अलावा कमिश्नर कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बड़े हनुमान जी के प्रसिद्ध मन्दिर के पर्यटन विकास कार्य के लिए खर्च होगा 106.51 लाख रुपए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा क्षेत्र के सिपाह स्थित बड़े हनुमान जी का मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध मंदिर है। यहां नगर क्षेत्र के अलावा बहुत दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं मंदिर का परिषर बहुत बड़ा और बहुत जर्जर स्थिति में है। खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र

प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव जी ने बड़े हनुमान जी के मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए एक पत्र के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की पर्यटन विकास की दृष्टि से मंदिर का जीर्णोद्धार करना अत्यंत आवश्यक है। इस मंदिर से लाखों करोड़ों लोगों की आस्था जुडी हुई है मंदिर की स्थिति काफी जज्जर है, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की मांगों को स्वीकार करते हुए शासन ने पर्यटन विभाग के महानिदेशक को पत्र भेजा जिसमें उन्होंने जौनपुर सदर विधानसभा में बड़े हनुमान जी के मंदिर रासमंडल सिपाह का पर्यटन विकास हेतु प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति कर दी गई है उक्त कार्य कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल द्वारा कराया जाएगा। उक्त कार्य करने के लिए मूल्यांकित धनराशि 106.51 लाख रुपए है। जिसकी प्रथम किस्त धनराशि रुपए 61.00 लाख (इकसठ लाख मात्र) कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल को जारी कर दिया गया है। अब जल्द से जल्द मंदिर का कायाकल्प हो जाएगा यह मंदिर गोमती नदी के पास स्थित है बगल में छोटा काशी मंदिर भी है इस मंदिर के निर्माण से पर्यटन की दृष्टि से भी लाभ मिलेगा। उक्त आशय की जानकारी खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव ने दी।

मालवाहक वाहन चालक सुरेश राजभर हत्याकाण्ड का पुलिस ने किया पर्दाफाश

वर्चस्व की लड़ाई में मारी गयी थी गोली

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सुदामापुर, शंकुलधारा पोखरा इलाके में रहने वाले मालवाहक के चालक सुरेश राजभर (34) की तीन गोली मार कर हत्या इलाके में वर्चस्व की लड़ाई में की गई थी। सुरेश की हत्या के आरोपी उसके दोस्त ही हैं, जो उसके साथ रोजाना उठते-बैठते और शराब पीते थे। घटना से पहले भी सभी ने साथ में शराब पी थी। यह खुलासा पुलिस ने वारदात के 24 घंटे बाद शुक्रवार की रात रमना इलाके में मुठभेड़ में मुख्य आरोपी किरहिया, खोजवा के विशाल सोनकर को गिरफ्तार करने के बाद किया। उससे पहले पुलिस ने दबिश देकर खोजवा के विक्की जायसवाल, मानिकपुर बजरडीहा के मनोज कुमार चौहान, शंकुलधारा पोखरा के अच्छे चौहान उर्फ कल्लू और सुदामापुर की कुसुम देवी को पकड़ा। पुलिस को अब सुदामापुर के आर्यन सोनकर के अलावा सतीश सोनकर और अजय की तलाश है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, सुरेश की दाईं कनपटी, सीने के बीचोबीच और दाईं जांघ पर तीन गोली मारी गई थी। सुदामापुर, शंकुलधारा पोखरा निवासी राजू सोनकर ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात घर के पास ही उसके छोटे भाई सुरेश के साथ विक्की, मनोज, कल्लू, आर्यन, विशाल, सतीश और अजय ने कहासुनी की। इसके बाद सभी उसे पीटने लगे। वह भागा तो घर के पास विशाल ने गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने बताया कि महिला सहित चार आरोपियों को पुलिस टीमों ने सुदामापुर के आसपास के इलाकों में दबिश देकर गिरफ्तार किया। विशाल के बारे में पता लगा कि वह रात में रमना इलाके में अपने एक परिचित को बुलाकर पैसा लेगा और फिर शहर से कहीं बाहर भाग जाएगा। इस सूचना पर लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्र और भेलूपुर थानाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ला ने फोर्स के साथ घेराबंदी की तो विशाल ने फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके दाएं पैर में गोली लगी और वह पकड़ा गया। उसके पास से सुरेश की हत्या में प्रयुक्त .32 बोर की देसी पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ है। अन्य तीन आरोपियों की तलाश जारी है।

'पीएम मोदी ने 10 वर्षों में अपने संसदीय क्षेत्र काशी को चमका दिया'

स्वर्वेद महामंदिर धाम, वाराणसी में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी जी कहते हैं कि हर काम देश के नाम होना चाहिए। देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है। धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। इसलिए जो भी कार्य हो, वह व्यक्ति, समाज, मत-मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक-आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। भारतीयता और सनातन सबको जोड़ने की ताकत रखता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए। 25000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का भी आयोजन किया गया है। लाखों लोगों के होने के बावजूद यहां की सुचारू व्यवस्था की सीएम योगी ने तारीफ की। 1924 में सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने की थी विहंगम योग संत समाज की स्थापना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1888 में बलिया के छोटे से गांव में सद्गुरु सदाफल देव महाराज का अवतरण हुआ। उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की। जब समाज शताब्दी समारोह कार्यक्रम के साथ जुड़ रहा है। तब हम भी इसके साक्षी बन रहे हैं। हम सभी को संत की यौगिक साधना का प्रसाद प्राप्त हो रहा है। विहंगम योग संत समाज स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के माध्यम से दिव्य-भव्य मंदिर बनाकर कोटि-कोटि श्रद्धालुजनों को अपने पुरुषार्थ के माध्यम से जोड़ने के साथ ही भारत की योग परंपरा व आध्यात्मिक धारा को जन-जन तक पहुंचाने को कृतसंकल्पित दिख रहा है। हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता सच्चा योगी व संत सीएम योगी ने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने आध्यात्मिक अभियान को आगे बढ़ाया और यह भी बताया कि सच्चा योगी-संत देश व समाज की परिस्थितियों को देखकर हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता। देश जब गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा था। तब सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए आजादी के आंदोलन में भाग लेकर बैरकपुर से देश के प्रथम स्वातंत्र्य समर के शंखनाद के साथ खुद को जोड़ा था। आप सब भी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा के साथ राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित महत्वपूर्ण कड़ी से खुद को जोड़ रहे हैं। सद्गुरु की परंपरा का आज भी हो रहा निर्वहन सीएम योगी ने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने उत्तराखंड ने स्वर्वेद रचा। उनकी अद्भुत परंपरा का निर्वहन आज भी हो रहा है। विज्ञान देव जी महाराज एक वर्ष से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा पर थे। आचार्य जी भी विदेश में भक्तों को जगाने के लिए आध्यात्मिक यात्रा पर निकले थे। यह संदेश देता है कि चुपचाप नहीं बैठना है। बल्कि एक कार्य पूरा हुआ तो अगले कार्य की शुरूआत करनी है और हर काम देश-सनातन धर्म के नाम है। आज हम जिस कार्यक्रम के साथ जुड़ रहे हैं। यह उसी विरासत का सम्मान है। जिसे 100 वर्ष पहले सद्गुरु सदाफल देव महराज ने प्रारंभ किया था। आचार्य स्वतंत्र देव जी महाराज, संत प्रवर विज्ञान देव महाराज उसी परंपरा का अनुसरण करते हुए उसे आगे बढ़ाते हुए जनजागरण के वृहद अभियान से जुड़ रहे हैं। पहले की तुलना में 2014 के बाद से 100 गुना बेहतर हुई काशी की कनेक्टिविटी सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी को 10 वर्ष में चमका दिया है। अब काशी

विश्वनाथ धाम, दुनिया का सबसे बड़ा स्नान घाट (नमो घाट) है। यहां हैलीपेड भी है। यहां बड़े-बड़े कार्यक्रम हो सकते हैं। काशी के घाट अब नए भव्य स्वरूप में देखने को मिलते हैं। देव मंदिरों का कायाकल्प हुआ है। पहले की स्थिति के मुकाबले 2014 के बाद से सड़क, रेल, वायुसेवा की कनेक्टिविटी 100 गुना बेहतर हुई है। अब काशी से हल्दिया के बीच में जलमार्ग का उपयोग कर यात्रा को बढ़ा सकते हैं। यह क्षेत्र भी अब तीर्थ के रूप में विकसित हो गया है। स्वास्थ्य हो या शिक्षा, विकास के विभिन्न पक्षों को लेकर काशी आज चमक रही है और काशी के साथ पूरा यूपी पीएम मोदी के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। अब 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के दर्शन हो रहे हैं।जहां विकास भी है और विरासत का सम्मान भी। अच्छा नेतृत्व मिलता है तो परिणाम सुखद आते हैं। सीएम योगी ने कहा कि अच्छा नेतृत्व मिलता है तो सुखद परिणाम आते हैं। आज विरासत का सम्मान भी है तो विकास के माध्यम से लोककल्याण का बड़ा अभियान भी। योग की परंपरा को वैश्विक मंच पर ले जाने का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। दुनिया के 175 से अधिक देशों के अंदर लोग योग के साथ जुड़े हैं। जब भी योग की चर्चा होगी।भारत के ऋषियों के प्रति श्रद्धा का भाव दुनिया के नागरिकों के मन में जुड़ेगा। पीएम मोदी ने 21 जून की तिथि को विश्व योग दिवस के रूप में कर दिया। प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ प्रारंभ होने वाला है। पीएम मोदी ने इसे भी मान्यता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिला दी। मोदी जी के मार्गदर्शन में 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला अपने दिव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। पीएम मोदी ने भी की थी विहंगम योग संत समाज व ट्रस्ट के कार्यों की सराहना सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 दिसंबर 2023 को इस समारोह का शुभारंभ किया था। शताब्दी महोत्सव के अवसर पर उन्होंने स्वर्वेद महामंदिर का भव्य उद्घाटन भी करते हुए विहंगम योग संत समाज व स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की थी। 2021 में भी पीएम मोदी के सानिध्य में इस पूरे कार्यक्रम में हमें सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हुआ था। इस दौरान आचार्य स्वतंत्र देव जी महाराज, स्वतंत्र प्रवर विज्ञान देव जी महाराज, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर आदि मौजूद रहे।

जौनपुर को इंडस्ट्रियल क्षेत्र घोषित करने के लिए मेरा प्रयास चल रहा: कृपाशंकर सिंह

आलू, गन्ना, मक्का के विकास के लिए बड़ा कार्य किया जाएगा

ठाकुर बल्लर सिंह स्मृति का किया लोकार्पण

विशाल सोनी, शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह ने ठाकुर दीप नारायण सिंह उर्फ बल्लर सिंह स्मृति द्वारा का लोकार्पण शनिवार को ग्राम सभा सिधाई शाहगंज में वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति आज तक के अच्छे कार्यों की दृष्टि को पढ़ने विचार को एक पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया जाए। पुस्तक के जरिए देश की आने वाली पीढ़ी यह जाने की पूर्वी यूपी में दीप नारायण उर्फ बल्लर सिंह जैसे व्यक्ति जौनपुर में पैदा हुए थे। उन्होंने घोषणा किया कि सिधाई गांव के एक गरीब बच्चों के पढ़ाई

लिखाई और उसे पूरा खर्च कृपा शंकर की माता जी धनेश्वरी देवी के नाम चल रहे ट्रस्ट के माध्यम से किया जाएगा। जौनपुर जिले को इंडस्ट्रियल क्षेत्र घोषित करने के लिए मेरा प्रयास चल रहा है। जनपद को औद्योगिकरण कॉरिडोर बनाने के लिए मेरा प्रयास चल रहा है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ अधिकार का तेज बहादुर सिंह के प्रति आभार जताया। विशिष्ट अतिथि प्रदेश सरकार के खेल व युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि जिले में बहुत जल्द एक केंद्रीय विद्यालय खुलेगा इसकी संस्कृत केंद्रीय मंत्रालय से मिल गई है। उन्होंने दीप नारायण सिंह का पूरा जीवन समाज की सेवा के लिए संगीत में था समाज के हर जरूरतमंद गरीब असहाय लोगों की मदद वह करते थे। आजादी के बाद 35 वर्षों तक शाहगंज ब्लाक के निरंतर ब्लॉक प्रमुख बने रहे। यह उनके अच्छे कार्यों की ही देन थी। उन्हें लम्बा राजनैतिक अनुभव रहा है। उनके सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में यह विशाल स्मृति द्वारा बना है। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह,समारोह में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, नेता हरिश्चंद्र सिंह दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष सत्येंद्र बहादुर सिंह,मंत्री रण बहादुर यादव, पूर्व मंत्री अवधेश सिंह, रमेश चंद उपाध्याय,मुख्य अतिथि कृपाशंकर सिंहका स्वागत शेखर साहू, जेपी सिंह, कांग्रेस नेता राजेश सिंह, पोस्ट मास्टर शिवकुमार सिंह, राधेश्याम मुन्ना सिंह, सोचन सेठ, ग्राम प्रधान लक्ष्मण बिंद, मनोज सिंह मुंबई, लालचंद गुप्ता अधिवक्ता, राजदेव यादव, राकेश राजभर, समर बहादुर सिंह, कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता मनीष कुमार सिंह ने किया। स्मृति द्वारा के निर्माण करता ठाकुर प्रशान्त सिंह के प्रति उपस्थित जनों ने आभार जाताया। प्रशांत ठाकुर प्रशांत सिंह विशाल सिंह ने बुके देकर राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव का स्वागत किया उपस्थित जनों ने युवा अधिवक्ता मनीष कुमार सिंह के अच्छे कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि समाज में आज इस युवा की बहुत जरूरत है । कार्यक्रम के आयोजन दीप नारायण सिंह ने उपस्थित जनों के प्रति आभार जताते हुए कहा है कि कार्यक्रम के आयोजक दीवानी न्यायालय के पूर्व अध्यक्ष तेज बहादुर सिंह एडवोकेट व सिधाई ग्राम सभा के साथ पूरे शाहगंज जिला के का विकास है। इस मौके पर अधिवक्ता समर बहादुर यादव, देवी प्रसाद सिंह, आद्या प्रसाद सिंह, अशोक सिंह, रमेश सिंह सोलंकी, राजेश सिंह अरगुपुर, अनिल राजभर, मोहम्मद सारिक एडवोकेट, समेत आदि लोग रहे।

तीन दिवसीय फातमी मजालिस की आखिरी मजलिस में ताबूत निकला

डॉ.इम्तियाज अहमद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से ताबूत के दर्शन किये। मदरसा इमानिया नासिरिया, जौनपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीसरे दिन की आखिरी मजलिस की शुरूआत मुजफ्फरनगर से आये देश के मशहूर शोजखवांजनाब हसन अली साहब

ने अपने बेहतरीन अंदाज में शोजखवानी से किया। उन्होंने अपनी शायरी में शहजादी फातिमा की खूबियां व अच्छाइयों का बखान किया। इसके बाद कार्यक्रम के संयोजक और मदरसा नासिरिया के प्रिंसिपल मौलाना महफूजूल हसन खान ने मजलिस को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने अपने समाज के लोगों को समाज में फैली गलत बातों से दूर रहने की हिदायत दी। अपनी बात जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पैगम्बर मोहम्मद साहब के बाद शहजादी फातिमा का हक मुसलमानों ने छीन लिया, जबकि वह पैगम्बर मुहम्मद साहब की एकमात्र उत्तराधिकारी थीं उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए अपने समाज के लोगों से कहा कि समाज और देश में शांति और भाईचारा बढ़ाने की जरूरत है इसे आगे बढ़ाना चाहिए। मजलिस के खत्म होने के पश्चात शबीहे ताबूत बरामद हुआ। जिसकी अकीदतमंदों ने अकीदत के साथ नम आंखों से जयारत की और देश के मशहूर और जाने-माने नौहाखवां जनाब मुहम्मद रजा साहब ने बेहतरीन नौहा पेश किया। कार्यक्रम तय समय पर समाप्त हुआ और कार्यक्रम के संयोजक मौलाना महफूजुल हसन खान ने आये हुए सभी मोमिनों का शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम का संचालन मौला सैयद आबिद रजा ने किया इसमें मुख्य रूप से मदरसा प्रबंधक अहमद जहां खान एडवोकेट, मौलाना मुहम्मद मुस्तफा इस्लामी, मौलाना फजल अब्बास, मौलाना मुहम्मद जाफर, मौलाना मोहम्मद यूसुफ खान, मौलाना नजफ अली, मौलाना मुबाशेर हुसैन, मौलाना उरूज हैदर, शोएब जैदी, मिशकुरुल हसन शाजान समेत बहुत से सेवक और मोमिन मौजूद रहे।

बिजली विभाग की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट

जिलाधिकारी बोली- हड़ताल में शामिल नहीं होंगे प्राईवेट कंपनियों के कर्मचारी

गुड़िया राज

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने विद्युत विभाग में हो रहे निजीकरण के विरोध को देखते हुए विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों एवं मैन पावर के अधिकारियों संग कलेक्ट्रेट सभागार में उच्चस्तरीय बैठक की जिसमें उनके द्वारा सख्त निर्देश दिया गया कि निजीकरण के विरोध में कोई भी मैंन पावर के कर्मी हड़ताल में शामिल नहीं होगा। वही मैन पावर मेसर्स ग्रिड पावर सिस्टम के प्रतिनिधियों को सख्त हिदायत देते हुए बताया कि कुल 72 उपकेंद्रों पर चालक, परिचालन एवं लाइनमैंनो की तैनाती स्थल हर हाल में तैनात किया जाय। एवं आम जनता को निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति दी जाय।अगर किसी भी प्रकार का फॉल्ट हो स समय कर्मियों द्वारा अटेंड करते हुए विद्युत व्यवस्था सुचारू रखा जाय। वही विद्युत विभाग में मेंटेनेंस का कार्य कर रही मेसर्स मोंटी कार्लो के भी कर्मचारियों को विद्युत आपूर्ति एवं मेंटेनेंस के लिए आपातकाल स्तिथि के लिए लगाया जा सकता है तथा ट्रांसफार्मर वर्कशॉप एवं विद्युत भंडारों के अधिकारियों को भी सख्त निर्देशित किया कि हड़ताल के दौरान डैमेज ट्रांसफार्मर तत्काल बदले जाय। विद्युत भंडार केंद्रों में आवश्यकता अनुसार सामग्री उपलब्ध कराई जाय। वही सरकारी आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजो के अधिकारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा कि जितने टेक्निकल छात्र है उनको विद्युत विभाग के अधिकारियों से समन्वय बनाकर ट्रेनिंग देकर आपातकालीन स्थितियों में उपयोग किया जा सके। मेडिकल कॉलेज,प्राइवेट हॉस्पिटल में जनरेटर के साथ साथ पेट्रोल डीजल एडवांस रख लिया जाय। रेलवे एवं पेयजल हेतु विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने के लिए आवश्यक उपाय किए जाय। साथ ही साथ जिलाधिकारी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि यह निजीकरण नहीं है बल्कि विभाग की वित्तीय स्थिति को सुधारने हेतु आवश्यक प्रयास है जिसमे विभागीय अधिकारियों के हितों का लाभ सुरक्षित रखा जाएगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य,अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 दिनेश कुमार सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी,अधीक्षण अभियंता विद्युत प्रवीण कुमार,अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा,शुभेंदु शाह,गोपीचंद, बृजेश कुमार एवं ग्रिड पावर सिस्टम के मैनेजर गुड्डू सिंह, सर्किल मैनेजर विनय तिवारी, मोंटी कार्लो के जिला मैनेजर शुभेंदु श्रीवास्तव बिलिंग एजेंसी के सर्किल मैनेजर आनंद व्यास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शाहगंज तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में शाहगंज के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रकरणों/शिकायतों को अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जा कर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करवाना

सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने भूमि विवाद/अतिक्रमण की शिकायतों पर राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व निरीक्षक, लेखपाल तथा पुलिस कर्मियों को मौके पर भेजकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण ससमय निस्तारण किया जाए। तहसील में कुल 121 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये राजस्व विभाग 89, पुलिस विभाग 15, आपूर्ति विभाग 09, विकाश विभाग 04, चकबंदी विभाग 04 जिसमें से 13 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्थान्तरित करते हुए जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयबर चौहान, उपजिलाधिकारी शाहगंज राजेश कुमार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एनसीपीए ने ऑफ-कैंपस पहल 'NCPA@thePark' के पांच महीने लंबे सीजन का ऐलान किया

मुंबई। मुंबई की प्रमुख कला और सांस्कृतिक संस्था, नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और वेस्टसाइड के साथ मिलकर अपनी वार्षिक सामुदायिक आउटरीच पहल 'NCPA@thePark' की वापसी की घोषणा की है। पिछले तीन सत्रों की सफलता के बाद, जिसमें भारी भीड़ देखने को मिली थी, नरीमन पॉइंट में स्थित एनसीपीए शहर के अन्य प्रमुख स्थानों पर अपने प्रसिद्ध लाइव परफॉर्मेंसेस को लेकर बहुत खुश है। बांद्रा फोर्ट एम्फीथिएटर में 9 नवंबर से शुरू होने वाला 'NCPA@thePark' अगले साल मार्च तक हर वीकेंड शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित पार्कों में चलेगा। शहर के प्रतिष्ठित पार्कों की पृष्ठभूमि में स्थापित, इसका उद्देश्य नृत्य, अंतर्राष्ट्रीय संगीत, पश्चिमी शास्त्रीय संगीत, भारतीय संगीत और रंगमंच से लेकर लाइव प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के साथ एक अनूठा और आकर्षक अनुभव प्रदान करना है। इस पहल के चौथे सत्र के बारे में बात करते हुए, एनसीपीए के अध्यक्ष, खुशरू एन. सुंतुक ने कहा, एनसीपीए को 'NCPA@thePark' के महत्वाकांक्षी सत्र की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इसका उद्देश्य अगले पांच महीनों तक मुंबई के पार्कों में अपने परिसर से बाहर लाइव प्रदर्शनों का आनंद प्रदान करना है। एनसीपीए को इस रोमांचक पहल के लिए हर साल दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलती रहती है। हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि प्रदर्शन कलाओं को जनता तक पहुंचाया जाए और बीएमसी तथा वेस्टसाइड जैसे भागीदारों से मिलने वाला सपोर्ट इस लक्ष्य को हसिल करने में सहायता देता है। हम इस उत्सव में अपने मित्रों और परिवार के साथ शहर के निवासियों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि हम प्रदर्शन कलाओं को बढ़ावा देने पर फोकस करते हैं और मुंबई तथा उसके बाहर की कम्युनिटी को मजबूत करते हैं।

शॉप्सी ने मौसमी आवश्यक वस्तुओं के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन का अनावरण किया

मुंबई। भारत में सर्दी सिर्फ.एक मौसम नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है; यह गर्मी, आराम और एकजुटता की भावना को अपनाने का समय है। हवा में ताजगी भरी ठंड से लेकर स्टाइलिश कपड़े पहनने की खुशी तक, सर्दी भारत के हर हिस्से में अपना विशेष आकर्षण लेकर आती है। भारत की अग्रणीहाइपरवैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शॉप्सी, देश भर में, विशेष रूप से उत्तर, पश्चिम और पूर्व के ठंडे क्षेत्रों में ग्राहकों की विशिष्ट मांगों को ध्यान में रखते हुए अपनी एक्सक्लूसिव वॉव विंटर सेल को लॉन्च करने के लिए उत्साहित है। भारत के उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई, वॉव विंटर सेल सिर्फ 99 रुपये से शुरू होकर स्टाइल, आराम और कार्यक्षमता के संयोजन के साथ सर्दियों की आवश्यक वस्तुओं की एक विस्तृत रेंज प्रदान करती है। इसमें हुडीज, स्वेटशर्ट, बाइकिंग ग्लव्ज, कैप, जैकेट और बच्चों के विंटरवियर जैसी टॉप कैटेगरीज शामिल हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि परिवार का हर सदस्य फैशनेबल दिखने के साथ-साथ गर्म भी रह सके। शॉप्सी की किफायतीपन की प्रतिबद्धता के साथ, विंटर सेल में विशेष ऑफर और छूट भी शामिल हैं, जिससे ग्राहक बिना पैसे खर्च किए इस मौसम का लुत्फ उठा सकते हैं। शॉप्सी के व्यापक डिलीवरी नेटवर्क, जिसमें 19,000 से अधिक पिन कोड शामिल हैं, इसकी बदौलत भारत के सबसे दूरदराज के क्षेत्रों में ग्राहक सर्दियों की इन आवश्यक वस्तुओं को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

सांसद सीमा द्विवेदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

सिकरारा। जनपद जौनपुर के सिकरारा ब्लॉक स्थित ग्रामसभा भुईला निवासी पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कई बार ब्लॉक प्रमुख के पद को सुशोभित करने वाले सर्वोदय इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय पंडित मातासेवक उपाध्याय की बेटी सांसद सीमा द्विवेदी के जन्मदिन पर सीमा द्विवेदी के बड़े भाई पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाजपा जिला उपाध्यक्ष शुधाकर उपाध्याय ने जनम दिन पर शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि पिता जी की पहचान, हमारी खुशी सर्व समाज की सेवाव्रती सांसद सीमा जी के जनम दिन की ढेर सारी शुभ कामनाएं व हार्दिक बधाई।पद में बहन कद में संरक्षक की भूमिका प्रस्तुत करने वाली सीमा जी शतायु,स्वस्थ्य,सम्पन्न ,संस्कार,शौर्य,सेवा,सुशासन व सरलता से सदा सिञ्चित रहें।यही ईश्वर से प्रार्थना है। पूरब की बेटी,पश्चिम की बहू को हम सब की तरफ से जनम दिन की हार्दिक बधाई। और इसी कड़ी मे सीमा जी के भाई संतोष उपाध्याय, सुशील उपाध्याय, भतीजे अश्वनी उपाध्याय,पत्रकार आदेश मिश्र सहित क्षेत्र के कई गण मान्य लोगों ने भी सांसद सीमा द्विवेदी के उज्वल भविष्य की कामना के साथ जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी.

डाक अदालत का आयोजन 12 दिसंबर को

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति) । डाकघर मंडल कार्यालय आजमगढ़ पर आगामी 12 दिसंबर को दोपहर बाद 3 बजे मंडल स्तरीय डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रवर अधीक्षक डाकघर अखिलेश कुमार ने बताया कि डाक अदालत में काउंटर सेवाएं, मनी आर्डर, बचत बैंक, रजिस्ट्री पत्र, पार्सल, बीमाकृत वस्तुएं, स्पीड पोस्ट, डाक जीवन बीमा, डाक कर्मचारियों के पेंशन संबंधी मामले एवं डाकघर से संबंधित अन्य समस्याओं एवं शिकायतों पर विचार विमर्श एवं उनका निराकरण किया जाएगा। इसी क्रम में साढ़े तीन बजे स्टाफ डाक अदालत के माध्यम से विभागीय कर्मचारियों के मामलों का भी नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस डाक अदालत में विचारार्थ शिकायत पूर्ण विवरण के साथ 11 दिसंबर 4:30 बजे तक कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर आजमगढ़ मंडल को भेज दी जाएं एवं शिकायतकर्ता डाक अदालत में व्यक्तिगत रुप से भी उपस्थित रहें।

पेट्रोल पंप पर मनबढ़ों ने चलाई गोली

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। रामगढ़ताल इलाके के एचपी पेट्रोल पंप पर शुक्रवार को पेट्रोल भरवाने को लेकर दो बाइक सवारों में विवाद हो गया। आरोप है कि पल्सर सवार तीन युवकों ने पंप से बाहर निकलते ही सड़क पर दूसरे बाइक सवार को घेर लिया और फिर हवाई फायरिंग कर दी। आसपास के लोगों को एकत्र होता देख आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। इस दौरान पथराव भी किए। सूचना पर सीओ कैंट योगेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस गोपलापुर के अजीत यादव की तहरीर पर तीन के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में स्थित पेट्रोल पंप पर अपराह्न तीन बजे के करीब बाइक सवार दो लोग पेट्रोल डलवा रहे थे। इसी दौरान पल्सर पर सवार तीन युवक आए और उनकी बाइक के आगे गाड़ी लगाते हुए पहले उसमें तेल डालने को कहा। इसी बात पर दोनों बाइक सवारों में बहस हो गई और हाथापाई भी हुई। इस दौरान मौजूद कर्मचारियों ने शांत करा दिया। इसके बाद दोनों बाइक सवारों ने पेट्रोल डलवाया और भुगतान कर चले गए। आरोप है कि पंप से मेन रोड पर आते ही एक बार फिर पल्सर सवार युवकों ने दूसरे बाइक पर सवार लोगों को रोक लिया और विवाद करने लगे। आरोप है कि इस दौरान तीनों में से एक युवक ने असलहे से फायरिंग कर दी। इससे दूसरे बाइक पर सवार लोग बाइक छोड़कर भागने लगे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। सीसीटीवी कैमरे में पेट्रोल डलवाने के दौरान विवाद होता दिख रहा है। लेकिन सड़क की घटना कैद नहीं हो सकी है। फिलहाल, आरोपियों की पहचान व तलाश के लिए पुलिस टीम लगा दी गई है। मारपीट और फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर गई थी। मामले में तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

रोटावेटर में फंसे तीन बाइक सवार, एक का पैर कटा

बस्ती(उत्तरशक्ति)। शहर के मालवीय रोड स्थित एलआईसी ऑफिस के पास रोटावेटर में फंसकर एक बाइक सवार का पैर कट गया, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। इस बीच सड़क पर काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। शुक्रवार रात लगभग आठ बजे मालवीय रोड के भीड़-भाड़ के बीच एक ट्रैक्टर रोटावेटर लेकर जा रहा था। पीछे से एक बाइक पर सवार तीन युवक आगे निकलना चाह रहे थे। इसी बीच इनकी बाइक अनियंत्रित होकर रोटावेटर में फंस गई। इसमें तीनों युवक भी फंस गए। एक युवक का पैर कट गया। जबकि, दूसरे युवक की एड़ी का हिस्सा भी निकल गया। तीसरे की हालत भी गंभीर है।

देश सुरक्षित है तो,धर्म के साथ हम भी सुरक्षित है : योगी आदित्यनाथ

विकास के साथ विरासत का सम्मान कर रही है हमारी सरकार

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। स्वर्वेद महामंदिर, उमरहा-डुबकिया में दो दिवसीय विहंगम योग के शताब्दी समारोह के दुसरे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सद्गुरु सदाफलदेव जी आप्त वैदिक गुरुकुलम् का लोकापर्ण भी किया। 25000 कुंडीय यज्ञ में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है और हमारा धर्म सुरक्षित है तो हम सुरक्षित हैं। एक साल पूर्व दुनिया के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वर्वेद महामंदिर का लोकार्पण किया था, आज वह भव्य, दिव्य के साथ विराट रुप ले चुका है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा काशी में कराये गये विकास कार्यों के तरफ भी सबका ध्यान दिलाते हुए कहा कि आज काशी चमक रही है। बाबा विश्वनाथ धाम, नमो घाट जहां की हेलीपैड के साथ बड़े से बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की क्षमता का निर्माण किया गया है। काशी के घाटों का नया स्वरूप देखने को मिलता है। काशी में इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पर कार्य हुए है। पहले की स्थिति के मुकाबले 2014 के बाद से सड़क, रेल, वायुसेवा की कनेक्टिविटी 100 गुना बेहतर हुई है। अब काशी से हल्दिया के बीच में जलमार्ग का उपयोग कर यात्रा को बढ़ा सकते हैं। यह क्षेत्र भी अब तीर्थ के रूप में विकसित हो गया है। स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर कार्य हुए हैं जिससे काशी चमक रही है। उत्तर प्रदेश भी विकास भी विकास के नये आयाम गढ़ रहा है। विकास के साथ विरासत का सम्मान किया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि अच्छा नेतृत्व मिलता है तो सुखद परिणाम आते हैं। आज विरासत का सम्मान भी है तो विकास के माध्यम से लोककल्याण का बड़ा अभियान भी। योग की परंपरा को वैश्विक मंच पर ले जाने का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। दुनिया के 175 से अधिक देशों के अंदर लोग योग के साथ जुड़े हैं। जब भी योग की चर्चा होगी, भारत के ऋषियों के प्रति श्रद्धा का भाव दुनिया के नागरिकों के मन में जुड़ेगा। पीएम मोदी ने 21 जून की तिथि को विश्व योग दिवस के रूप में कर दिया।प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ प्रारंभ होने वाला है। पीएम मोदी ने इसे भी मान्यता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिला दी। मोदी जी के मार्गदर्शन में 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला अपने दिव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। बाबा विश्वनाथ जी की पावन धरा पर आयोजित इतने बड़े आयोजन के लिये हृदयकी गहराइयों से अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1888 में बलिया जनपद के एक छोटे गांव में सद्गुरु सदाफलदेव जी का अवतरण हुआ था। उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की। जब समाज शताब्दी समारोह कार्यक्रम के साथ जुड़ रहा है, तब हम भी इसके साक्षी बन रहे हैं। हम सभी को संत की यौगिक साधना का प्रसाद प्राप्त हो रहा है। विहंगम योग संत समाज स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के माध्यम से दिव्य-भव्य मंदिर बनाकर कोटि-कोटि श्रद्धालुजनों को अपने पुरुषार्थ के माध्यम से जोड़ने के साथ ही भारत की योग परंपरा व आध्यात्मिक धारा को जन-जन तक पहुंचाने को कृतसंकल्पित दिख रहा है। सदाफल देव जी ने व्यक्ति व समाज से ऊपर उठकर सनातन धर्म के योगदान में अपने को तत्पर रखा। संत का कार्य है की एक कार्य पूरा होते ही दूसरे कार्य में लग जाना तथा संत प्रवर विज्ञान देव जी ने देश यात्रा पर निकलकर कश्मीर से कन्याकुमारी तक 35000 किमी यात्रा करते हुए सनातन धर्म को जागरूक किया है। यही हमारी परंपरा है। देश जब गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा था, तब सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए आजादी के आंदोलन में भाग लेकर बैरकपुर से देश के प्रथम स्वातंत्र्य समर के शंखनाद के साथ खुद को जोड़ा था। आप सब भी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा के साथ राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित महत्वपूर्ण कड़ी से खुद को जोड़ रहे हैं।

ठाकुर विद्या मंदिर स्कूल में लगी प्रदर्शनी देख बच्चों के कार्यों को मिली सराहना

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व प्रगति नगर स्थित ठाकुर विद्या मंदिर स्कूल में गत दिनों लगी विज्ञान और कला प्रदर्शनी एवं वार्षिक पानफेट का आयोजन किया गया था । उक्त आयोजन में स्कूल के छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर लोगों के सामने प्रस्तुत किए । ठाकुर विद्या मंदिर हाई स्कूल एवं जूनियर कालेज की ट्रस्टी डॉ श्रीमती अराधना सिंह, अध्यक्ष राहुल सिंह, अजीत सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती रूबी सिंह ने मॉडल का निरीक्षण किया और बच्चों के द्वारा बनाई गई विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों की सराहना की प्रदर्शनी में स्कूल के छात्रों अध्यापकों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की विज्ञान और कला प्रदर्शनी उत्कृष्ट है और सभी बच्चों को भविष्य में इसी लगन और परिश्रम से कार्य करने को कहा जिससे अपने देश भारत का विश्व के मानचित्र पर नाम रोशन हो। स्कूल के प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में कक्षा दसवीं की छात्रा दिशा मिश्रा, आजका , कोमल , नव्या शुक्ला , आस्था , ऋषभ सिंह , आर्यन तिवारी , शाद खान सहित कई छात्रों के अथक प्रयास से संपन्न हुआ। जिसमें बच्चों का सहयोग करने वाले शिक्षक शशिकांत तिवारी का बड़ा योगदान रहा है।

झंडा दिवस पर सैनिको को किया गया सम्मानित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस 7 दिसंबर 2024 के उपलक्ष में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास जौनपुर अधिकारी कर्नल अहलावत साहब की अध्यक्षता एवं पूर्व वरिष्ठ सैनिक बांनधुओ के उपस्थित में पहले झंडारोहण किया तत्पश्चात कप्तान अजीत पांडे, सूबेदार वेद प्रकाश, वारंट अफसर बीडी दुबे, सूबेदार के के दुबे, सूबेदार सूर्यनाथ यादव, रामसूरत यादव, मेवा लाल, राम सिंह यादव, कृष्ण चंद्र, गंगा प्रसाद पाल, सूबेदार दीप नारायण मौर्य, नित्यानंद, सूबेदार राकेश सिंह एवं अन्य उपस्थित पूर्व सैनिकों को माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र के द्वारा उनको सम्मानित किया अंत में कर्नल एलावत साहब और कर्नल राय साहब ने सभी पूर्व सैनिकों को संबोधित किया और सभी को झंडा दिवस पर बधाई दी तथा सभी पूर्व सैनिक बांनधुओ के साथ चाय मिष्ठान किया तथा उन सभी का हाल समाचार पूछा और अंत में भारत माता की जय घोष के साथ समारोह का समापन किया।

धारदार हथियार से पति की निर्मम हत्या

देवरिया (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के बरवा गोरस्थान में शनिवार की सुबह आपसी विवाद के चलते पत्नी ने धारदार हथियार से पति की निर्मम हत्या कर दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के बरवा गोरस्थान निवासी ममता देवी ने आपसी विवाद के चलते अपने ही पति विजय प्रताप यादव उर्फ गोपी 42वर्ष की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी। मृतक के भाई चंद्रभान की पुत्री पूनम गोठे पर घर की सफाई करने पहुंची। दरवाजा खोलते ही चाचा की खून से लथपथ लाश देखते ही जोर जोर से चिल्लाने लगी। शोर सुनकर अगल बगल के लोग इकट्ठा हो गए। किसी ने पीआरबी 112 को फोन कर घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना की पूरी जानकारी शहर कोतवाल दिलीप कुमार सिंह और सीओ संजय कुमार रेड्डी ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इसी बीच पुलिस आने की भनक पर मृतक की पत्नी आरोपी ममता देवी भागने लगी जिसको तत्काल महिला पुलिस ने दबोच लिया।आरोपी पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था जो घर गृहस्थी के लिए मजदूरी कर पालन पोषण करता था। जबकि आरोपी पत्नी ने बताया कि हमें कई वर्षो से मारता पीटता रहता था और खेत बेच कर शराब पी जाता था। हमारे और बच्चों पर कोई ध्यान नहीं देता था इसलिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। मृतक का एक बेटा प्रिंस उर्फ छोटू 10वर्ष प्राथमिक विद्यालय तिलई बेलवा,देवरिया में पांचवी का छात्र है। मृतक की पत्नी ममता देवी दो वर्षो से बरहज थाना के खोड़ा मायके में रहती थी ।कुछ ही दिन पूर्व ससुराल के पट्टीदारी में सम्मिलित होने आई थी। मृतक के तीन भाई गुजरात के एक निजी कंपनी में बीस वर्षो से कार्य करते हैं।।मृतक के पिता रामपति यादव का निधन दस वर्ष पहले हो चुका है। माता पार्वती देवी सहित परिवारीजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

अक्षय ऊर्जा माइक्रोग्रिड के टिकाऊ ऊर्जा समाधान से ग्रामीण भारत बन रहे सशक्त

वैशाली (उत्तरशक्ति)। भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी टाटा पावर (टीपीसी) की सौ प्रतिशत सहायक कंपनी टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड लिमिटेड (टीपीआरएमजी) अपने अभिनव सौर माइक्रोग्रिड समाधानों के साथ भारत में ग्रामीण विद्युतीकरण को बदलने के लिए निरंतर काम कर रही है। भारत के ग्रामीण क्षेत्र लंबे समय से अविश्वसनीय बिजली से जूझ रहे हैं जिससे व्यवसायों, स्कूलों और स्वास्थ्य सेवा के अवसर सीमित हो रहे हैं। टाटा पावर के सौर माइक्रोग्रिड किफायती, टिकाऊ ऊर्जा समाधान प्रदान करके इसे बदल रहे हैं। पारंपरिक ग्रिडों के विपरीत ये माइक्रोग्रिड स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, विश्वसनीय बिजली देने के लिए स्थानीय सौर ऊर्जा का उपयोग करते हैं। टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड के सीईओ मनोज गुप्ता ने बताया कि स्वच्छ, विश्वसनीय और सस्ती बिजली प्रदान करके हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक विकास के अवसरों को खोल रहे हैं जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि ग्रामीण भारत स्थायी रूप से फल.फूल रहा है। स्थानीय स्वामित्व और भागीदारी को बढ़ावा देकर यह पहल निरंतर आर्थिक विकास और सामाजिक विकास को बढ़ावा देती है। वहीं वुड सॉ मिल के संचालक अजीत कुमार ने कहा कि जब से मैंने टीपी रिन्यूएबल्स माइक्रोग्रिड से सौर ऊर्जा सेवा का उपयोग करना शुरू किया है तब से डीजल इंजनों पर मेरी निर्भरता काफी कम हो गई है जिससे मेरे रखरखाव की लागत में भारी कमी आई है।

मैं पिछले ढाई साल से इस सेवा का लाभ उठा रहा हूँ और उसने वास्तव में मेरे व्यवसाय संचालन को बदल दिया है। जबकि स्पाइस मिल के संचालक रंजीत कुमार रे ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा और समुदाय.संचालित समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड लिमिटेड न केवल घरों को रोशन कर रहा है बल्कि ग्रामीण भारत में एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

दो बाइकों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मोहद्दीपुर में नहर रोड के पास शुक्रवार की आधी रात दो बाइकों की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पिता और दो बेटियां भी शामिल हैं। पत्नी व बेटा और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 12 बजे रुस्तमपुर निवासी मोनू चौहान (32) और बेतियाहाता हनुमान मंदिर के पास रहने वाला सूरज (28) एक ही बाइक से किसी मुंडन कार्यक्रम से कुनराघाट की तरफ से घर लौट रहे थे। जबकि मोहद्दीपुर बिजली घर के पास रहने वाले विक्रांत (34) अपनी पत्नी (30) और तीन बच्चों दो साल की बेटी लाडो, एक साल की बेटी परी और पांच साल के बेटे अंगद के साथ बाइक से किसी कार्यक्रम से अपने घर लौट रहे थे।

सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों से उतरवाए छह लाउडस्पीकर

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ पुलिस ने न्यायालय के आदेश और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुपालन में एक अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत, पुलिस ने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से स्थापित लाउडस्पीकरों और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का मानकों के अनुसार प्रयोग न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की है।

अभियान के दौरान, पुलिस ने धार्मिक गुरुओं से संवाद स्थापित कर जनपद में 153 ध्वनि विस्तारक यंत्रों की ध्वनि कम कराकर मानक के अनुसार कराया गया। वहीं, छह लाउडस्पीकर सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों से उतरवाए गए।

इसके अलावा, धार्मिक स्थलों के जिम्मेदार व्यक्तियों को लाउडस्पीकरों की मानक के अनुसार ध्वनि रखने के लिए हिदायत दी गई। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने बताया कि शासन के निर्देश पर अवैध रूप से सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाए गए हैं।साथ ही जहां तेज ध्वनि में बजाया जा रहा था वहां पर मानक के कराया गया है।

हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर मेरठ में हिंदु समाज के लोगों ने किया जमकर प्रदर्शन-नारेबाजी

मेरठ (उत्तरशक्ति)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में जनमानस में आक्रोश है। इसे लेकर सर्व हिंदू समाज आज विराट धरना-प्रदर्शन कर रहा है। शहर में 75 विभिन्न स्थानों पर लोग एकत्र होकर पैदल मार्च करते हुए कमिश्नरी पहुंचे। सनातन धर्म सभा के तत्वावधान में भी विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया। इसमें हिंदू संगठनों के साथ भाजपा, व्यापारिक और धार्मिक संगठन भी शामिल होने पहुंचे। इस दौरान शहर भर में मार्च निकाला गया तो वहीं बांग्लादेश का पुतला फूंका गया। शहर में बुढ़ाना गेट से सबसे बड़ा पैदल मार्च निकाला गया। इसमें इस्कॉन सहित पुराने शहर के व्यापारी, समाजसेवी, हिंदू संगठन सहित राजनैतिक दलों के लोग भी पैदल मार्च करते हुए कमिश्नरी पहुंचे। इस दौरान कई स्कूलों के छात्र छात्राएं भी इस मार्च में पोस्टर लेकर शामिल हुए। भाटवाड़ा दुर्गा मंदिर समिति अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि बुढ़ाना गेट से यात्रा निकाली गई।

पैदल मार्च में शामिल लोगों हाथ में पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर लिखा था कि 'हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो' इसके अलावा कटोगे तो बटोगे के पोस्टर लिए हुए भी लोग मार्च में शामिल हुए।

शहर में बुढ़ाना गेट से सबसे बड़ा पैदल मार्च निकाला गया। इसमें इस्कॉन सहित पुराने शहर के व्यापारी, समाजसेवी, हिंदू संगठन सहित राजनैतिक दलों के लोग भी पैदल मार्च करते हुए कमिश्नरी पहुंचेंगे।

विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन अलर्ट रहा। चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया। कलक्ट्रेट और कमिश्नरी पर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया। डीएम दीपक मीणा ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए।

मंडल में दिलीप कमार को मिला माटीकला का प्रथम पुरस्कार

मंडल स्तरीय माटीकला पुरस्कार का वितरण एमएलसी धर्मेंद्र राय ने किया

वाराणसी। मंडल स्तरीय माटीकला पुरस्कार का आयोजन शनिवार को टूरिस्ट बंगलो (पर्यटन विभाग) सारनाथ में किया गया। पुरस्कार का चयन, चयन कमेटी द्वारा डॉ सुरेश चंद्र जांगिड सहायक आचार्य बीएचयू, डॉ साहेब राम टुडू सहायक आचार्य बीएचयू एवं यूपी सिंह परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी वाराणसी मंडल द्वारा किया गया। प्रथम पुरस्कार दिलीप कुमार वाराणसी को 15000.00, द्वितीय पुरस्कार मोहन लाल प्रजापति जौनपुर को 12000.00 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार ओम कृष्णम प्रजापति गाजीपुर को 10000.00 रुपये मिला। सभी विजेताओं को पुरस्कार सदस्य विधान परिषद धर्मेंद्र राय ने दिया। इस अवसर पर उमेश कुमार सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग, वाराणसी मंडल, यूपी सिंह परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी वाराणसी मंडल, अजय कुमार गुप्ता सहायक उपायुक्त उद्योग वाराणसी, वीके सिंह जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जौनपुर, गिरजा प्रसाद जिला ग्रामोद्योग अधिकारी चंदौली, अमिता श्रीवास्तव, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गाजीपुर एवं खादी ग्रामोद्योग बोर्ड वाराणसी के कर्मचारीगण के साथ पुरस्कार कार्यक्रम भाग लेने वाले प्रतिभागी एवं जनमानस भी उपस्थित रहे। वाराणसी मंडल के परिक्षेत्रीय ग्रमोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया है कि माटी से प्रेम ने दिलीप को को बनाया विजेता। जिले को माटी कला के क्षेत्र में मंडलस्तरीय प्रथम पुरस्कार वाराणसी को मिलने से खादी ग्रामोद्योग तथा जिले भर में खुशी का लहर है।

ट्रेन से गिरा यात्री गम्भीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

-निशानाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-अयोध्या रेल मार्ग पर ट्रेन से सफर कर रहे यात्री क्षेत्र के गेट संख्या - 57सी पर अचानक गिर गया। उसके साथ उसकी बहन भी यात्रा कर रही थी। जिसने घटना की तत्काल सूचना कंट्रोल रूम को दिया। सूचना पाकर हमराहियों के साथ मौके पर पहुँचे थानाध्यक्ष खेतासराय रमाश्रय राय ने गम्भीर रूप से घायल यात्री को रेलवे ट्रक के किनारे झाड़ियों से अथक प्रयास के बाद निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। उधर उसकी बहन को स्टेशन से लाकर भाई से मिलवाया। जहाँ डॉक्टरों ने गम्भीर रूप से घायल यात्री को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कलकत्ता निवासी अरमान पुत्र असलम (25) अपनी बहन परवीन के साथ किछौछा शरीफ दरगाह से जियारत कर हावड़ा एक्सप्रेस से कलकत्ता लौट रहा था। क्षेत्र के गोरारी स्थित रेलवे गेट नंबर 57 सी के समीप अचानक ट्रेन से अरमान गिर गया, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। उसकी बहन परवीन ने तत्काल घटना की सूचना कंट्रोल रूम को दिया। सूचना पाकर मौके पर हमराहियों के साथ पहुँचे थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय ने गिरे यात्री को झाड़ियों को खोजबीन किया अथक प्रयास के बाद गम्भीर रूप से घायलावस्था में झाड़ी में मिला। जिसे एम्बुलेंस की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी पहुँचाया उधर उसकी बहन को स्टेशन से भाई के पास ले गए। गम्भीर रूप से घायल यात्री अरमान को डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।